दैनिक नवप्रदेश
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
प्रदेश के साथ पूरा देश...
www.navpradesh.com | रायपुर, गुरुवार 26 नवम्बर 2020, कार्तिक शुक्ल पक्ष-द्वादशी, विक्रम संवत-2077 वर्ष-09 अंक-282 पृष्ठ-08 मूल्य-3 रुपए | छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

कश्मीर को अपने बाप की जागीर समझने वाले फारूख अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती ने 25 हजार करोड़ की जमीन की बंदर बांट कर दी थी। अब रोशनी एक्ट घोटाला सामने आया है तो इन भूमाफियाओं के चेहरों पर हवाइयां उड़ रही हैं। अब समझ में आया कि इस गुपकार गैंग ने कश्मीर में 370 की बहाली के लिए एड़ी चोटी का जोर क्यों लगा रखा है? दरअसल वे गुपचुप रूप से किए गए हजारों करोड़ रुपए के जमीन घोटाले को जमींदोज करने के ख्वाहिश मंद हैं। इन सभी घोटालेबाज देशद्रोहियों के खिलाफ जल्द से जल्द और कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

नहीं रहे कांग्रेस के चाणक्य अहमद पटेल

नई दिल्ली/रायपुर । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राज्यसभा सांसद तथा पार्टी के आधुनिक चाणक्य कहे जाने वाले अहमद पटेल का बुधवार सुबह निधन हो गया। एक महीने पहले ही अहमद पटेल कोरोना की चपेट में आए थे, जिसके बाद उनकी तबीयत लगातार खराब चल रही थी। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के राजनीतिक सलाहकार अहमद पटेल के बेटे फैजल पटेल ने जानकारी दी कि ■ शेष पृष्ठ 6 पर

जन्म: 21-8-1949, मृत्यु: 25-11-2020

■ राष्ट्रपति कोविंद, उपराष्ट्रपति नायडू, पीएम मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सीएम भूपेश बघेल, समेत विभिन्न दलों के नेताओं ने जताया शोक

सीएम व डॉ. महंत ने दी श्रद्धांजलि

कांग्रेस की विचारधारा के प्रति दृढ़ संकल्पित, पार्टी के अनमोल रत्न अहमद भाई पटेल जी के निधन का समाचार हम सब के लिए स्तब्ध कर देने वाला है। उनका निधन देश के लिए अपूरणीय क्षति है।
-भूपेश बघेल, मुख्यमंत्री छग

अहमद पटेल के निधन का समाचार स्तब्ध करने वाला है। वे मेरे अच्छे मित्र व सहयोगी साथी थे। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।
-डॉ. चरणदास महंत, विधानसभा अध्यक्ष

पटेल के रूप में मैंने एक ऐसा सहयोगी खो दिया है जिसका जीवन कांग्रेस को समर्पित रहा है। उनके निधन से सदमे में हूं। -सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष

मंत्री पद ठुकराकर पार्टी की मजबूती के लिए करते रहे काम

गुजरात में तालुका स्तर से राजनीति शुरू कर अहमद पटेल कांग्रेस के लिए चाणक्य ही नहीं बने अपितु संकटमोचक बनकर पार्टी को मजबूत बनाने में अपना जीवन समर्पित कर दिया। पटेल केंद्र में मंत्री बनने के आमंत्रण को ठुकराते हुए कांग्रेस संगठन की मजबूती के लिए आजीवन काम करते रहे। कांग्रेस के चाणक्य कहे जाने वाले अहमद पटेल ने कई मौकों पर पार्टी को संकट से उबारने का काम किया। पार्टी में महत्वपूर्ण पदों पर काम करते हुए वह हमेशा कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के विश्वास पात्र बने रहे।

पटेल जी के निधन से दुखी हूं। उन्होंने लंबे समय तक समाज की सेवा की। -नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए केंद्र ने जारी की नई गाइडलाइन

कोरोना पर केंद्र की सख्ती, राज्यों को नहीं लॉकडाउन का अधिकार

■ राज्यों को नाइट कर्फ्यू लगाने की छूट, कंटेनमेंट जोन को छोड़ लॉकडाउन के लिए लेनी होगी केंद्र की अनुमति,
■ नए निर्देशों को करना होगा सख्ती से लागू

नई दिल्ली/ए.। केंद्रीय गृहमंत्रालय ने देश के विभिन्न हिस्सों में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को गंभीरता से लेत हुए राज्यों के लिए नई गाइडलाइन जारी की है। इसके मुताबिक राज्यों को नाइट कर्फ्यू लगाने की छूट दी गई है, लेकिन लॉकडाउन के लिए केंद्र की मंजूरी अनिवार्य होगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से संबंधित दिशानिदेर्शों और एहतियाती उपायों तथा मानक संचालन प्रक्रियाओं, एसओपी, को सख्ती से लागू करने को कहा है। मंत्रालय ने बुधवार को एक आदेश जारी कर संक्रमण पर अंकुश लगाने के लिए निगरानी, उपाय और सतर्कता से संबंधित दिशा निर्देश भी जारी किए जो आगामी एक दिसंबर से लागू होंगे। केंद्र के निर्देशों के मुताबिक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अपने यहां की ■ शेष पृष्ठ 6 पर

ये लापरवाही पड़ेगी भारी... चित्र रायपुर के शीतला मार्केट का है, जहां सब्जी विक्रेता मास्क लगाए बिना ही बैठे हैं। इस तरह की लापरवाही से ही कोरोना संक्रमण बढ़ता है।

1 दिसंबर से 31 दिसंबर तक लागू रहेंगे दिशा निर्देश

इस बार सरकार का ज्यादा फोकस भीड़ को नियंत्रित करने का है। सरकार के यह दिशा-निर्देश 1 दिसंबर से प्रभावी होंगे और 31 दिसंबर तक लागू रहेंगे। गृह मंत्रालय ने कहा कि दिशा-निर्देशों का मुख्य फोकस कोविड -19 के प्रसार के खिलाफ हासिल किए गए कंट्रोल को बनाए रखना है, जो देश में सक्रिय मामलों की संख्या में लगातार गिरावट से दिखाई दे रहा है।

तूफान निवार का असर, छग में आज बारिश के आसार

■ बस्तर, रायपुर, दुर्ग संभाग तथा बिलासपुर के कुछ स्थानों में गिर सकता है पानी

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। चक्रवाती तूफान निवार के चलते बने सिस्टम के असर से गुरुवार को प्रदेश में भी कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। बस्तर, दुर्ग तथा रायपुर संभाग में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। मौसम केंद्र रायपुर के वैज्ञानिक एचपी चंद्रा ने यह जानकारी दी है।

बिलासपुर के भी कुछ इलाकों में बारिश हो सकती है। निवार के कारण मौसम में कुछ इस तरह का बदलाव भी होगा कि दो दिन तक प्रदेश में ठंड कम लगेगी। न्यूनतम तापमान बढ़ जाएगा और ठंड कम हो जाएगी। कम से कम दो दिन तक मौसम का यह बदलाव बना रहेगा। 28 नवंबर के बाद फिर से ठंड बढ़ेगी। ■ शेष पृष्ठ 6 पर

चेन्नई में तेज बारिश, उड़ानें रद्द

बंगाल की खाड़ी में बने गंभीर चक्रवाती तूफान निवार के तट से टकराने से पहले तमिलनाडु के चेन्नई समेत कई हिस्सों में तेज बारिश हुई। चेन्नई की सभी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। दक्षिण रेलवे की कई ट्रेनें भी रद्द हो गई हैं। वहीं आंध्र प्रदेश के नेल्लोर में तीन दिन तक स्कूल बंद कर दिए गए हैं। पुडुचेरी के सीएम नारायणसामी ने कालापेट का दौरा किया। उन्होंने निवार तूफान से निपटने की तैयारियों का जायजा लिया। सीएम बारिश के बीच यहां पहुंचे थे।

खास- खबर

28, 29 को पुनिया का छग दौरा

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल तथा प्रदेश कांग्रेस प्रभारी पीएल पुनिया 29 नवंबर को शिवरीनारायण मानस महोत्सव में शामिल होंगे। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी पुनिया 28 नवंबर को अपराह्न 4:50 बजे रायपुर विमानतल पर पहुंचेंगे। इसी दिन वे शाम 6 बजे राजीव भवन रायपुर में आयोजित प्रदेश कांग्रेस समन्वय समिति की बैठक में भाग लेंगे। दूसरे दिन 29 नवंबर को पुनिया 11 बजे रायपुर से शिवरीनारायण जिला जांजगीर चांपा के लिए रवाना होंगे। पुनिया 29 नवंबर की देर शाम ही नई दिल्ली के रवाना हो जाएंगे। शिवरीनारायण महोत्सव में जांजगीर चांपा की विभिन्न रामायण मंडलियां जुटेंगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री राम वनगमन पथ को लेकर अपने विचार भी रखेंगे।

एडिटर्स गिल्ड ने प्रेस की आजादी के लिए कानूनी सलाहकारों की समिति बनाई

नई दिल्ली/ (वार्ता)। एडिटर्स गिल्ड ऑफइंडिया ने देश में प्रेस की आज़ादी को सुरक्षित बनाये रखने के लिए जाने-माने कानूनविदों की सात सदस्यीय सलाहकार समिति का गठन किया है। गिल्ड द्वारा बुधवार को यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार देश में मीडिया पर अंकुश की घटनाओं को देखते हुए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बचाए रखने के लिए इस समिति का गठन किया गया है जिसमें वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं जाने-माने अधिवक्ता कपिल सिब्बल, श्याम दीवान, राजीव नायर, मेनका गुरुस्वामी, प्रशांत कुमार तथा सुश्री शाहरुख आलम जैसे लोग शामिल हैं।

शेयर बाजार

सेंसेक्स- 43828.10
निफ्टी- 12858.40
गोल्ड-48849 (10 ग्रा.)
सिल्वर-60347 (1 कि ग्रा.)

जिलेवार बारी-बारी से डीजीपी लेंगे क्लास, आज रायपुर का नंबर

नव-प्रदेश संवादाता

रायपुर। राज्य में बढ़ते अपराध के बीच डीजीपी डीएम अवस्थी 26 नवंबर को रायपुर जिले की समीक्षा बैठक लेंगे। इसके बाद प्रतिदिन प्रदेश के अन्य जिलों की भी समीक्षा करेंगे। माना जा रहा है कि पुलिस महकमे में नए साल से पहले अपराध को नियंत्रित करने ही नहीं बल्कि पुलिस अफसरों के कामकाज की कसावट भी मापने जा रहे है पुलिस प्रमुख। ताकि विभाग में फेरबदल को अंजाम दिया जा सके,फिलहाल तो इसे समीक्षा बैठक ही माने।

डीजीपी डीएम अवस्थी 26 नवंबर से प्रदेश के सभी जिलों के अपराधों की समीक्षा बैठक लेंगे। बैठक में 1 जनवरी 2020 से 25 नवम्बर तक अवधि में घटित अपराधों की समीक्षा की जाएगी। इसी क्रम में 26 नवंबर को रायपुर जिले की समीक्षा बैठक आयोजित की गई है।

लक्ष्मी विलास बैंक का डीबीएस बैंक में होगा विलय

नई दिल्ली/ (वार्ता)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने लक्ष्मी विलास बैंक लिमिटेड (एलवीबी) के डीबीएस बैंक इंडिया लिमिटेड (डीबीआईएल) में विलय की योजना को मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इससे संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। बैठक के बाद केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने बताया कि दोनों बैंकों के विलय की यह योजना जमाकर्ताओं के हितों की रक्षा और वित्तीय एवं बैंकिंग स्थिरता के हित में, बैंकिंग विनियमन कानून, 1949 की धारा 45 के तहत आरबीआई के आवेदन पर बनाई गई है।

चीन की कंपनी टीका बेचने को तैयार

■ सरकार से मांगी इजाजत

नई दिल्ली/ए.। चीन की अग्रणी वैक्सीन उत्पादक कंपनी चाइना नेशनल फार्माशूटिकल ग्रुप (सिनोफार्म) ने बुधवार को कहा कि इसने बाजार में टीका बेचने के लिए देश के नियामक के पास आवेदन किया है। चीन की सरकारी मीडिया के मुताबिक, यह घोषणा कंपनी के जनरल मैनेजर शी शेंगी ने की। विदेशों में क्लीनिकल ट्रायल कर रही कंपनी ने कहा कि इसने यूएई जैसे होस्ट देशों से डेटा कलेक्ट कर लिया है। कंपनी ने कहा है कि उसे अच्छे परिणाम की उम्मीद है, लेकिन फैसला चाइनीज अथॉरिटी पर निर्भर है, क्योंकि समीक्षा मानकों को सख्त रखा गया है।

इससे पहले, कंपनी ने कहा कि इसने वैक्सीन फेज 3 क्लीनिकल डेटा को चीन के स्टेट फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के पास जमा कराया है और अधिक ब्योरा उपलब्ध कराने की प्रक्रिया में है। कंपनी ने कहा कि यह बाजार में उतारने से पहले फाइनल स्टेज में है।

अनुमान | कोरोना संक्रमण के सुपर स्प्रेडर की पहचान करने किया गया अध्ययन

बंद नाक व पूरे दांत वालों से संक्रमण ज्यादा फैलने की आशंका

फ्लोरिडा/नवप्रदेश। ये तो हम सभी जानते हैं कि कोरोना वायरय का संक्रमण एक व्यक्ति से कई लोगों में फैलता है। लेकिन कुछ लोगों के कारण ये दूसरों में काफी तेज से फैलता है। इन्हें सुपर स्प्रेडर कहा जाता है। ऐसे लोग आपके आसपास भी होते है। इसलिए सोशल डिस्टेंसिंड का पालन जरूरी है।

कंप्युटर मॉडल की सहायता से विभिन्न लोगों की विभिन्न प्रकार की छीकने की आदत का अध्ययन करके कोरोना वायरस को तेजी से फैला सकने में सक्षम कुछ लोगों को निश्चित किया गया है। इस अध्ययन से कोरोना वायरस के सुपर स्प्रेडर का पता लगाया जा सकता है। एक अध्ययन के मुताबिक, कोरोना वायरस को तेजी से फैलाने में बंद नाक तथा सभी दांतों

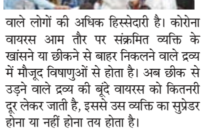

वाले लोगों की अधिक हिस्सेदारी है। कोरोना वायरस आम तौर पर संक्रमित व्यक्ति के खांसने या छीकने से बाहर निकलने वाले द्रव्य में मौजूद विषाणुओं से होता है। अब छीक से उड़ने वाले द्रव्य की बूंदे वायरस को कितनरी दूर लेकर जाती है, इससे उस व्यक्ति का सुप्रेडर होना या नहीं होना तय होता है।

ऐसे समझें बंद नाक व सभी दांतों से संक्रमण के खतरे को

अध्ययन में यह पता चला कि नाक बंद रहने पर छीक की गति बढ़ जाती है और छीक की बूंदें अधिक दूर तक जाती हैं। नाक बंद रहने पर छीक मुंह से बाहर आती है। जिसके कारण उसका वेग तथा अंतर अधिक होता है। नाक खुला हो तो छीक का मार्ग विभक्त हो जाता है। जिससे वेग कम हो जाता है। दांतों का प्रभाव छीक की गति पर पड़ता है। अधिक दांत यानी मर्यादित मार्ग। ये पानी के नल जैसा है। नल थोड़ा खोलने पर पानी अधिक फोर्स से बाहर आता है। वैसे ही कम जगह हो तो छीक अधिक तेजी से बाहर आती है और यह दूर तक जाती है।

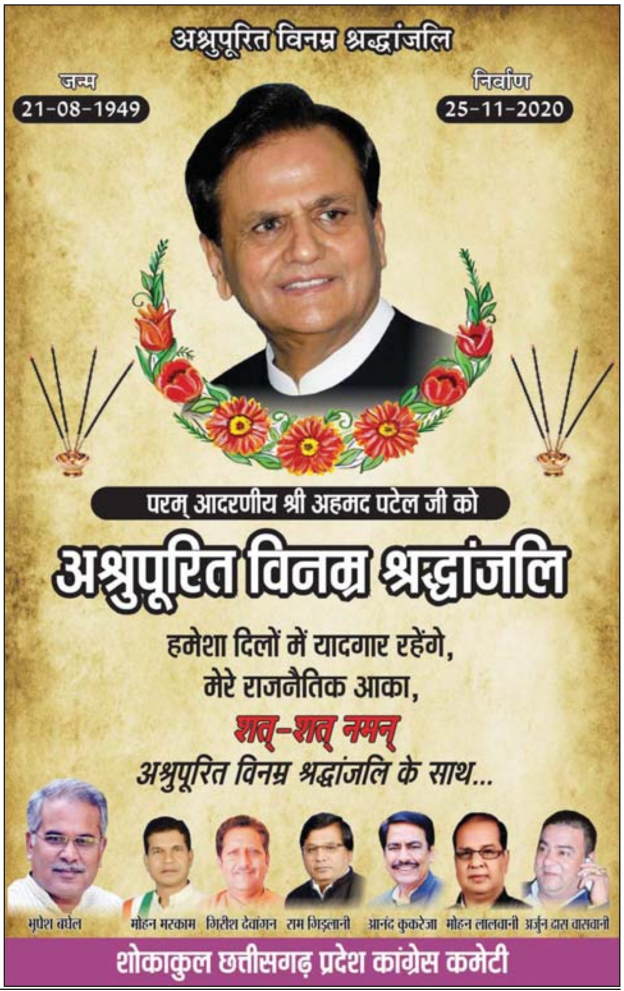

न्यूज गैलरी

सचिव निलंबित

दुर्ग। ग्राम पंचायत अंजोरा (ख) की पंचायत सचिव तामलेश्वरी देवांगन को अपने पदीय दायित्वों के निर्वहन में घोर लापरवाही बरतने पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा निलंबन की कार्यवाही की गई है। उल्लेखनीय है कि गोधन न्याय योजना अंतर्गत 6 सौ से अधिक क्विंटल गोबर क्रय करने के उपरांत भी वर्मी कंपोस्ट तैयार करने में किसी प्रकार की रूचि नहीं ली गई है। साथ ही गोधन न्याय योजना के संबंध में आहुत बैठक में बिना किसी सूचना के अनुपस्थित रहने पर शासन की महत्वकांक्षी योजना के संचालन में लापरवाही बरतना पाया गया है।

आज हड़ताल

भिलाई। ऐक्टू सहित केंद्रीय ट्रेड यूनियनों द्वारा आहूत 26 नवंबर की अखिल भारतीय आम हड़ताल को सफल बनाने के लिए यूनियन कार्यालयए सेक्टर 6 भिलाई मे बैठक की गई। बैठक में गुलामी के 4 श्रम कोड कानूनों, रिकॉर्ड तोड़ बेरोजगारी व कमरतोड़ मंहगाईए निजीकरण और देश के संशाधनों को बेचनेए संविधान और लोकतंत्र पर हमले के खिलाफ प्रतिरोध तेज करने का संकल्प लिया गया। बैठक में आर पी गजेंद्र, अशोक मिरी, घनश्याम त्रिपाठी, देवानंद चौहान, बृजेंद्र तिवारी, श्यामलाल साहू, नारद राम निषाद, भुवनलाल साहू रूपेश कोसरे, रामजी, जीवन लाल कुर्रे, बीपी राजपूत, बीपी सिंह शामिल थे। बैठक में उपस्थित लोगों ने आज प्रस्तावित हड़ताल को पूरी तरह से सफल बनाने का संकल्प लिया।

अमलेश्वर-सांकरा में अवैध प्लाटिंग पर कड़ी कार्रवाई

सुबह शाम दौरा कर देखें सफाई एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं की स्थिति

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने अमलेश्वर.सांकरा क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग पर विशेष नजर रखने और इन पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश अधिकारियों को दिये हैं। समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के साथ ही कुम्हारी में और अन्य जगहों पर जहां भी अवैध प्लाटिंग के मामले प्रकाश में आते हैं उन पर त्वरित कार्रवाई की जाए। कलेक्टर ने इसके लिए एसडीएम एवं नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारियों को समन्वय से कार्रवाई करने के निर्देश दिये। बैठक में निगम कमिश्नर भिलाई ऋतुराज रघुवंशी, जिला पंचायत सीईओ सच्चिदानंद आलोक, डीएफओ केआर बढ़ाई, अपर कलेक्टर, प्रकाश सर्वे, बीबी पंचभाई सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने निगम अधिकारियों को कहा कि सफाई सर्वोच्च प्राथमिकता है। नगरीय क्षेत्रों में स्वच्छताकर्मियों का हौसला तब बढ़ता है जब अधिकारी स्वयं मौके पर पहुंचकर उनका हौसला बढ़ाता है। सुबह के समय ऐसे निरीक्षण करें और इसके लिए टीम बनाकर सफाई की स्थिति की मानिटरिंग करें। उन्होंने कहा कि लोगों की राजस्व संबंधी दिक्कतों के लिए अथवा अन्य किसी भी प्रकार की दिक्कत दूर करने के लिए कैंप आयोजित करें। नगरीय क्षेत्र के गौठानों को भी आजीविकामूलक केंद्रों के रूप में विकसित करना बड़ी जिम्मेदारी है। इसके साथ ही यहां पर गोधन न्याय योजना के क्रियान्वयन पर विशेष नजर रखें।

कलेक्टर ने सभी नगरीय निकाय के अधिकारियों एवं जनपद सीईओ से पूछा कि वर्मी कंपोस्ट बनने की क्या स्थिति है। खरीदे गये गोबर को किस तरह रखा गया है। वर्मी कंपोस्ट की गुणवत्ता किस प्रकार है। क्या इसे टेस्टिंग के लिए लैब में भेजा गया है।

उन्होंने कहा कि गोधन न्याय योजना में प्रोसेसिंग अगर सही तरह से हुई तो गुणवत्तायुक्त वर्मी कंपोस्ट प्राप्त होगा जिसका अच्छा मूल्य समूहों को मिलेगा। बस इसके लिए मानिटरिंग की विशेष जरूरत है कि प्रक्रिया के अनुरूप कार्य हो। अधिकारी नियमित रूप से देखें। उन्होंने गौठानों में नस्ल गुणवत्ता के कार्यों को भी विशेष रूप से बढ़ाने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि गौठानों के माध्यम से पशुधन की मूल्यवत्ता बढ़ाना सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसानों को पशुपालन से अच्छी आय होने लगी तो वे इस ओर और अधिक रुचि लेंगे। मत्स्यपालन के लिए हितग्राहियों के चिन्हांकन के बाबत भी जानकारी ली। मत्स्य विभाग की अधिकारी ने बताया कि धमधा ब्लाक में हितग्राहियों का चयन कर लिया गया है शेष ब्लाक में प्रक्रिया चल रही है और शीघ्र ही हितग्राहियों का चयन कर लिया जाएगा।

81 लाख की लागत से होंगे विकास कार्य

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। निगम क्षेत्र के वार्ड 16 कुरूद में विकास कार्यो के लिए आज महापौर एवं विधायक देवेन्द्र यादव ने वार्ड पार्षद सुशीला देवांगन एवं क्षेत्र के नागरिकों की उपस्थिति में भूमिपूजन किया। कुरूद के वार्ड में बोर खनन एवं सड़कों का सीमेंटीकरण कार्य किए जाएंगे। वृहद स्तर पर विकास कार्यो की सौगात मिलने से वार्ड के नागरिकों ने महापौर यादव का बाजे.गाजे के साथ स्वागत किया और आवागमन के सहुलियत के लिए सीसी रोड बनाए जाने को लेकर आभार व्यक्त किए। इस दौरान महापौर ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक वार्ड में विकास कार्य किए जा रहे हैं। भिलाई निगम क्षेत्र के जोन 02 अंतर्गत वार्ड 16 कुरूद में 81 लाख की लागत से विकास कार्यो की शुरूआत करने महापौर देवेन्द्र ने भूमिपूजन किया और निगम प्रशासन द्वारा जनहित के लिए किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी। वार्ड के विभिन्न सड़कों पर सीसी रोड बनाया जाएगा इससे लोगों को आवागमन की सहुलियत होने के साथ ही सड़को पर गड्ढो से निजात तथा बारिश के सीजन में कीचड़ से होने वाली परेशानियों से भी राहत मिलेगी। कुरूद के वार्ड 16 में वृहद स्तर पर सड़कों का सीमेंटीकरण होने से वार्ड की सुंदरता भी बढ़ेगी।

यादव समाज की वर्षो पुरानी मांग हुई पूरी

यादव समाज की मांग पर महापौर यादव की पहल से सेक्टर 6 में 28.50 लाख की लागत से डोम शेड का निर्माण किया जाएगा। यादव समाज के पास कोई भवन नहीं है। इसलिए महापौर ने यादव समाज के लिए इस डोमशेड के निर्माण कार्य करावा रहे हैं। यहां विविध सामाजिक व धार्मिक आयोजन किए जा सकेंगे। भिलाई यादव समाज हर साल धूमधाम से कृष्ण जन्माष्टमी का आयोजन करती है। लेकिन समाज के पास आयोजन करने के लिए खुद का भवन नहीं है। ऐसे में समाज की ओर से लंबे समय से मांग की जा रही थी।

मरच्युरी मार्ग से हटाया अतिक्रमण

11 लोगों से निगम ने वसूले 32 सौ जुर्माना

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। जिला अस्पताल परिसर क्षेत्र में अवैध रुप से पसरा आदि लगाकर व्यवसाय करने वाले 16 लोगों को आज नगर निगम अमले ने हटाकर उसने 32 सौ जुर्माना लगाया। जिला अस्पताल में अवैध रुप से दुकान लगाने वालो की शिकायत कलेक्टर टीएल में प्राप्त होने के बाद आज निगम आयुक्त इंद्रजीत बर्मन के निर्देशानुसार जिला अस्पताल परिसर से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। इस दौरान नायब तहसीलदार दुर्गा साहू, अतिक्रमण दस्ता अधिकारी एवं उपअभियंता शिव शर्मा, बाजार अधिकारी थानसिंग यादव, पटवारी टीआर सर्वे के अलावा निगम कर्मचारी ईश्वर वर्मा, भुवन साहू समेत निगम के अतिक्रमण दस्ता उपस्थित थे। अस्पताल परिसर मरच्युरी के आसपास दुकान लगाने वालों को पहले भी दीपावली के पहले ही करीब दर्जन भर लोगों को हटाकर इस क्षेत्र में दुकान नहीं लगाने की हिदायत दी गई थी। परन्तु त्योहार के बाद फिर से अवैध रुप से दुकानें लगाने के कारण कलेक्टर टीएल में शिकायत किया है कि जिला अस्पताल परिसर क्षेत्र में आवाजाही बढ़ गई है कई लोगों ने फिर से दुकानें लगाना चालू कचर दिया है।

8 लाख का गबन करने वाला सुपरवाईजर गया जेल

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। राज्य के विभिन्न नगरीय निकायों से 8 लाख प्राप्त कर जिला सहकारी बैंक दुर्ग में फर्जी एकाऊंट के जरिए गबन करने वाले राइट वॉटर साल्यूशन इंडिया प्राईवेट प्रा.लि. नागपुर महाराष्ट्र के पूर्व सुपरवाईजर को कोतवाली पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। आरोपी के खिलाफ राइट कंपनी के मैनेजर की रिपोर्ट पर उक्त कार्यवाही की गई। पुलिस ने बताया कि राइट वॉटर साल्यूशन इंडिया प्रा.लि. नागपुर महाराष्ट्र कंपनी को पूरे प्रदेश में वॉटर एटीएम नगरीय निकायों में स्थापित कर उसके संचालन एवं मरम्मत का कार्य मिला हुआ हैं। इस कार्य का निर्वाहन कंपनी के द्वारा विगत 3 वर्षो से किया जा रहा हैं। इसके एवज में नगरीय निकाय संस्थाओं द्वारा बिल के आधार पर भुगतान किया जाता हैं। कंपनी का कार्य सुपरवाईजर राघवेन्द्र तिवारी शिक्षक नगर दुर्ग निवासी के द्वारा किया जा रहा था। कार्य के दौरान नपं चारामा में 349663, नपं बारसूर में 726750 एवं पुसौर से 77864 कुल 1154257 रूपए का भुगतान स्वयं प्राप्त कर लिया।

अधिकारियों की बैठक लेकर महापौर ने दिए निर्देश

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। महापौर धीरज बाकलीवाल द्वारा आज ग्राम एवं नगर निवेश विभाग तथा नगर निगम के अधिकारियों की बैठक लेकर बनाये गये नये मास्टर प्लान की समीक्षा की गई। उन्होनें अधिकारियों को निर्देशित कर कहा नये मास्टर प्लान में बहुत कुछ सुधार की आवश्यकता है। जिसमें सुधार कर यथा स्थित अनुसार विस्तृत प्रस्ताव पारित कराकर शासन को भेजने जाने का निर्देश दिया गया। बैठक में लोक कर्म प्रभारी अब्दुल गनी, विद्युत यांत्रिकी प्रभारी भोला महोबिया, राजस्व प्रभारी ऋषभ जैन, जलगृह विभाग प्रभारी संजय कोहले, वित्त प्रभारी दीपक साहू तथा एल्डरमेन अजय गुप्ता, ग्राम एवं नगर निवेश विभाग के प्रभारी संयुक्त संचालक विमल बगबैय्या, राजेश डुमरे, निगम कार्यपालन अभियंता मोहनपुरी गोस्वामी, सहा. अभियंता जितेन्द्र समैया, उपअभियंता आरके जैन सहित अन्य उपस्थित थे। महापौर बाकलीवाल द्वारा शहर विकास के संबंध में ग्राम निवेश एवं निगम अधिकारियों के साथ बैठक लेकर नये मास्टर प्लान की समीक्षा कर विस्तार से चर्चा किया। बैठक में दुर्ग शहर में शासकीय भूमि, निगम में जोड़ जाने वाले नये गांव, आगामी वर्षो में शहर विकास की दिशा में जानकारी ली। उन्होनें खुली जमीन की जानकारी लेकर बढ़ती आबादी के अनुसार विकास कार्यो को मूर्त रुप देने पर विचार विमर्श किया गया। उन्होनें कहा बनाये गये नये मास्टर प्लान में कुछ सुधार की आवश्यकता है इसके लिए ग्राम एवं नगर निवेश विभाग अधिकारी और निगम अधिकारी एक साथ बैठकर विस्तार से विस्तृत विकास कार्यो का प्रस्ताव बनाकर प्रस्तुत करें।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202010100400223

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री नेनाराम आ. मदाराम निवासी उतई तह. व जिला दुर्ग द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम उतई प.ह.न. 42 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 948/26 रकबा 0.020 हें/ अर्थात 1800 वर्गफीट भूमि के आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 08.10.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202011100400338

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती प्रणिता शर्मा जौ. सोहनलाल शर्मा निवासी भोई पारा दुर्ग द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम कसारीडीह प.ह.न. 25 अ तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 516/11, 516/27 रकबा 0.012, 0.010 हें/ 2130 वर्गफीट के आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 18.11.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202011100400398

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री राजेन्द्र शेन्डे आ. स्व. एकनाथ शेन्डे निवासी पाले भट्टी पो. औंधी तह. मानपुर द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम सिकोला प.ह.न. 17/8 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 52/131 रकबा 0.0140 हें/ 1500 वर्गफीट के आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 23.11.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202011100400403

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका चित्राणी साहू आ. उधोराम साहू निवासी बैजनाथ पारा दुर्ग द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम कसारीडीह प.ह.न. 56 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 523/21 रकबा 0.0020 हें/ 312 वर्गफीट के आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 23.11.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202011100400436

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती स्वर्णलता उपाध्याय पति स्व. मुकेश उपाध्याय निवासी ब्राम्हणपारा दुर्गा मंदिर के पीछे दुर्ग द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम पोटियाकला प.ह.न. 23 अ तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 177/10 रकबा 0.0270 हें/ 2970 वर्गफीट के आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 25.11.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202011100400399

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री सतीश हसीजा आ. पवन कुमार निवासी सिंधी कालोनी दुर्ग द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम सिकोला प.ह.न. 17/8 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 171/68 रकबा 0.031 हें/ 3328 वर्गफीट के आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 23.11.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202011100400435

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री महेश कुमार उपाध्याय आ. स्व. रामानंद उपाध्याय निवासी न्यू आदर्श नगर दुर्ग द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम पोटियाकला प.ह.न. 23 अ तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 177/6 रकबा 0.0290 हें/ 3210 वर्गफीट के आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 25.11.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला - दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र. ई-कोर्ट	पक्षकार का नाम	ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन नं.
	श्रीमती फिरदौस बानो	202011100400348

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती फिरदौस बानो पति श्री सलीम अहमद निवासी क्वा.नं. 2 ए सड़क 22 सेक्टर 01 भिलाई तहसील व जिला दुर्ग द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन/पुर्ननिर्धारण हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2)(5) तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन हैं।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	खसरा नंबर	रकबा	प्रयोजन
ग्राम कोहका प.ह.न. 19 तह. व जिला दुर्ग	2148/26	0.011 हें 1200 वर्गफीट	आवासीय

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की कोई दावा/ आपत्ति हो तो प्रकरण उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 18.11.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग, जिला दुर्ग

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला - दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र. ई-कोर्ट	पक्षकार का नाम	ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन नं.
	श्रीमती ए सुजाता	202011100400413

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती ए सुजाता पति श्री ए मुरली कृष्णा निवासी सुभाष मार्केट जोन 02 खुर्सीपार भिलाई तहसील व जिला दुर्ग द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन/पुर्ननिर्धारण हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2)(5) तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन हैं।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	खसरा नंबर	रकबा	प्रयोजन
ग्राम कोहका प.ह.न. 19 तह. व जिला दुर्ग	2148/25	0.022 हें 2250 वर्गफीट	आवासीय

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की कोई दावा/ आपत्ति हो तो प्रकरण उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 23.11.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग, जिला दुर्ग

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग अण्डा सर्किल (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./अ-06/ वर्ष 2020-21
ई.पंजी. 202011101200032

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक चैन सिंह यादव आ. अमरुराम यादव साकिन कोडिया के द्वारा ग्राम कोड़िया प.ह.न. 38 रा.नि.मं. अण्डा तह व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 518/1 का टु. रकबा 0.08 हे. भूमि को विक्रेता मोहनलाल पिता लखन चंद्राकर से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 14.07.1997 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को क्रेता के नाम पर प्रमाणीकरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत दिनांक 07.12.2020 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 19.11.2020 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — नायब तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग अण्डा सर्किल (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./अ-06/ वर्ष 2020-21
ई.पंजी. 202011101200031

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक चैन सिंह यादव आ. अमरुराम यादव साकिन कोडिया के द्वारा ग्राम कोड़िया प.ह.न. 38 रा.नि.मं. अण्डा तह व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 302/2 रकबा 0.04 हे. भूमि को विक्रेता नारायण पिता नेमूलाल से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 23.03.2009 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को आवेदक के नाम पर प्रमाणीकरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत दिनांक 07.12.2020 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 19.11.2020 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — नायब तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग अण्डा सर्किल (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./अ-06/ वर्ष 2020-21
ई.पंजी. 202011101200033

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक चैन सिंह यादव आ. अमरुराम यादव साकिन कोडिया के द्वारा ग्राम कोड़िया प.ह.न. 38 रा.नि.मं. अण्डा तह व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 75/2 रकबा 0.1900 हे. भूमि को विक्रेता देवचरण पिता तिजरु से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 01.07.2019 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को क्रेता के नाम पर प्रमाणीकरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत दिनांक 07.12.2020 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 19.11.2020 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — नायब तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

प्र.क्र./100/अ-2/ वर्ष 2020-21

एतद् द्वारा सर्व आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक मड्डू कमलनाभम आ. मड्डू कृष्णमूती निवासी मरोदा सेक्टर जे. पाकेट तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम चरोदा प.ह.न. 57 तहसील पाटन व जिला दुर्ग की स्थित भूमि खसरा नंबर 330/14 रकबा 0.024 हें. अर्थात 2610 वर्गफीट भूमि पर आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन किये जाने के लिये आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 172 के तहत् प्रस्तुत किया हैं।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को उजर दावा आपत्ति हो तो स्वयं या अपने अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से नियत दिनांक 18.11.2020 को न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकतें हैं। नियत दिनांक के पश्चात् प्राप्त आवेदन कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 04.11.2020 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी पाटन जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2020-21

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका अहिल्या पैकरा पिता/ पति टी.आर. पैकरा निवासी सेक्टर 08 भिलाई तह. व जिला दुर्ग मौजा उरला प.ह.नं. 07 रा.नि.मं. सिकोला तह. व जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नंबर 794/21, 794/28 रकबा 0.1370, 0.008 हे. भूमि को विक्रेता/ आम मुख्तयार निर्मला कुंभकार पिता/ पति नंदकुमार कुंभकार से दिनांक 06.11.2020 को क्रय कर रजिस्ट्री बैनामा निष्पादित किया है आवेदक द्वारा उक्त बैनामा के आधार पर नामांतरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतएव उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा/आपत्ति करना हो तो नियत पेशी दिनांक 07.12.2019 अथवा प्रकाशन तिथि से 15 दिवस तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से कार्यालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 18.11.2019 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार बोरी तह. धमधा दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2020-21

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक श्री भूपेन्द्र चौहान आ. स्व. माधव जी चौहान साकिन स्टेशन रोड वार्ड 24 दुर्ग द्वारा ग्राम सेवती प.ह.न. 21 रा.नि.मं. बोरसी तहसील धमझा जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 110/4 रकबा 0.060 हे. भूमि स्वामी बेलजी चौहान पिता माधव चौहान के नाम पर दर्ज भूमि मैं खातेदार बेलजी चौहान अविवाहित अवस्था मैं मृत्यु दिनांक 24.04.2017 को हो जाने के कारण मृतक खातेदार का नाम राजस्व अभिलेख से विलोपित कर अपने नाम पर नामांतरण किए जाने बाबत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है जिस पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन लंबित है।

अतः नामांतरण किए जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या दावा हो तो वे स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ सुनवाई तिथि दिनांक 12.12.2020 को या उसके पूर्व उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 12.11.2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — नायब तहसीलदार बोरी तह. धमधा जिला दुर्ग

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2020-21

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक श्री पुनाराम साहू पिता प्रेमलाल साहू निवासी सिकोला बस्ती दुर्ग मौजा सिकोला प.ह.न. 08 रा.नि.मं. दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 29/47 रकबा 0.016 हे. भूमि वसीयतकर्ता प्रेमलाल साहू के नाम पर दर्ज है। भूमिस्वामी के द्वारा आवेदक के नाम वसीयत किया गया है। भूमिस्वामी की मृत्यु दिनांक को हो जाने के कारण आवेदक का नाम दर्ज करने आवेदन पेश किया है।

अतएव उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकरण का उजर या दावा/ आपत्ति करना हो तो नियत पेशी दिनांक 07.12.2020 अथवा प्रकाशन तिथि से 15 दिवस तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से कार्यालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि समाप्त होने पर आपत्ति या दावा पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 17.11.2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

// आम-सूचना //

सर्वसाधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं श्रीमती रंजीता सिंह पति श्री सुमन कुमार सिंह निवासी मकान नंबर बी 603 सूर्या रेसीडेन्सी कोहका रोड भिलाई तह. व जिला दुर्ग छ.ग. की हूं। मेरे विवाह के पूर्व मेरा नाम रंजीता कुमारी था कि विवाह दिनांक 22.06.1998 को श्री सुमन कुमार सिंह से हिन्दू रीति रिवाज के अनुसार हुआ है तथा विवाह के पश्चात से मेरा नाम श्रीमती रंजीता सिंह पति श्री सुमन कुमार सिंह हो गया है। कि मेरे द्वारा आधार कार्ड क्रमांक 2525 2346 8333 में मेरा नाम रंजीता कुमारी दर्ज कर दिया गया है कि मैं अपना उपरोक्त पूर्व नाम रंजीता कुमारी को परिवर्तित कर अपना नया नाम श्रीमती रंजीता सिंह कर ली हूं। जिसके संबंध में मैने श्रीमान कार्यपालिक मजिस्ट्रेट दुर्ग छ.ग. के समक्ष एक शपथ पत्र भी निष्पादित कर लिया है भविष्य में मेरा नाम श्रीमती रंजीता सिंह ही दर्ज किया लिखा, पढ़ा, पुकारा, समझा जावेगा।

सो सूचना जाने।

दिनांक 25.11.2020
स्थान- दुर्ग

श्रीमती रंजीता सिंह
603 सूर्या रेसीडेन्सी कोहका रोड भिलाई तह. व जिला दुर्ग छ.ग.

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर जिला दुर्ग (छ.ग.)

मामले की श्रेणी-राजस्व

ईश्तहार

मा.क्रं. 202011101000163
विषयः अ-06 वर्ष 2020-21
कुरुद प.ह.न. 00050(1574/67(0.0100हे.)
पक्षकारों का विवरण : आवेदक पक्षकार- श्रीमती भावना परमार
अनावेदक पक्षकार- श्रीमती चंद्रिका टांक

आवेदिका श्रीमती भावना परमार पति भगवान जी परमार, निवासी कैलाश नगर कुरुद भिलाई द्वारा ग्राम कुरुद प.ह.न. 19 अ रा.नि.म. कोहका तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 1574/67 रकबा 0.010 हे./ 950 वर्गफीट भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर विक्रेता श्रीमती चंद्रिका टांक पति स्व. मनोहर लाल टांक निवासी दतावाड़ी ग्राम पंचायत आफिस के पास नेरे, जाम्भे, पूना महाराष्ट्र से क्रयि किया है कि नामांतरण किए जाने बाबत् आवेदन पत्र मय बैनामा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है।

अतएव इस संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वहर नियत पेशी दिनांक 10.12.2020 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 23.11.2020 को जारी किया गया है।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर (छ.ग.)

■ न्यूज गैलरी

शीतकालीन सत्र के लिए लगने लगा प्रश्न

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा का शीतकालीन सत्र 21 दिसंबर से प्रारंभ होने जा रहा है। इस सत्र के लिए सत्ता और विपक्षी दल के विधायकों द्वारा अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र से लेकर जिला स्तर व प्रदेश स्तर पर जनता के हितों से जुड़े मुद्दों को उठाते है। इसके लिए विधायकों द्वारा सदन में उठाये जाने वाले मुद्दों को लेकर प्रश्न लगाते है, जिनके उत्तर सत्ता पक्ष के मंत्रियों द्वारा दिये जाते है। शीतकालीन सत्र के लिए अधिसूचना जारी होने के बाद विधायकों द्वारा प्रश्न लगाना शुरू कर दिए है। हालांकि अब तक कुल 26 प्रश्न ही लगाए गए है जिनमें 14 तारांकित एवं 12 अतारांकित है। ये प्रश्न 19, 23 व 24 नवंबर को लगाए गए है। सत्र के दिन जैसे-जैसे नजदीक आते जाएंगे प्रश्नों का आकड़ा बढ़ते जाएगा। संभावना जतायी जा रही है कि शीतकालीन सत्र में प्रश्नों का आकड़ा एक हजार तक पहुंच सकता है। इस बार शीतकालीन सत्र 7 दिनों के लिए बुलाया गया है जो क्रमशः 21 दिसंबर से प्रारंभ होकर 22, 23, 24 तथा 28, 29 व 30 दिसंबर तक चलेगा। 25 से 27 दिसंबर से अवकाश रहेगा।

स्वास्थ्य विभाग ने सुरेश होटल में भारी गंदगी मिलने पर 2000 रू. किया जुर्माना

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त सौरभ कुमार के आदेशानुसार जनशिकायत मिलने पर वस्तुस्थिति की जानकारी लेने नगर निगम की सहायक स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणिग्रही के नेतृत्व एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारी चंद्रशेखर श्रीवास्तव, जोन स्वच्छता निरीक्षक श्री विरेन्द्र चंद्राकर की उपस्थिति में नगर निगम जोन 4 के तहत आने वाले मौलाना अब्दुल रउफ वार्ड क्रमांक 46 के जीई रोड स्थित लाल गंगा परिसर में सुरेश होटल का प्रत्यक्ष अवलोकन किया गया। सहायक स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पाणिग्रही द्वारा जोन 4 की स्वास्थ्य विभाग की टीम सहित किये गये प्रत्यक्ष अवलोकन के दौरान नगर निगम स्वास्थ्य विभाग को प्राप्त जनशिकायत स्थल पर पूरी तरह सही मिली एवं सुरेष होटल के कर्मचारी बिना मास्क, ग्लब्स के काम करते पाये गये एवं वहां भारी गंदगी मिलने पर निगम की सहायक स्वास्थ्य अधिकारी ने संबंधित होटल संचालक को भविष्य के लिये कडी चेतावनी देते हुए 2000 रू.का जुर्माना किया एवं इस दौरान संबंधित होटल संचालक के पास गुमास्ता लाईसेंस अनुपलब्ध पाया गया । होटल संचालक को नगर निगम जोन 4 स्वास्थ्य विभाग ने गुमास्ता लाईसेंस प्रस्तुत करने 3 दिन का समय उनके अनुरोध पर दिया।

फ्लिपकार्ट, अमेजन पर मिलने वाले हथियारों से अपराध, कंपनियों के अधिकारी तलब

रायपुर पुलिस ने पत्र सौंपकर बटन वाले चाकुओं की बिक्री रोकने को कहा

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। रायपुर पुलिस ने चाकूबाजी की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। रायपुर पुलिस ने ऑनलाइन शॉपिंग कंपनियों-फ्लिपकार्ट तथा अमेजन को पत्र लिखकर कहा है कि वे बटन वाले छोटे तथा बड़े चाकुओं की ऑनलाइन बिक्री पर रोक लगाने को कहा है। रायपुर के एडिशनल एसपी लखन पटेल ने दोनों कंपनियों के स्थानीय अधिकारियों को कार्यालय में तलब कर उन्हें सीधे यह पत्र सौंपा है। साथ ही यह स्पष्ट किया है कि यदि आगे से चाकू की ऑनलाइन बिक्री इन कंपनियों से होते पाई गई तो इनके अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के मुताबिक, बीते दिनों चाकूबाजी की घटनाओं में पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ में यह पता चला है कि असामाजिक तत्वों को चाकू ऑनलाइन शॉपिंग कंपनियों से आसानी से उपलब्ध हो रहे हैं। जिसके कारण पुलिस ने यह एक्शन लिया है।

गृहमंत्री साहू की बैठक के बाद एक्शन में पुलिस

बता दें कि तीन दिन पहले गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने प्रदेश में कानून व्यवस्था तथा अपराधों पर रोक लगाने ली गई समीक्षा बैठक में पुलिस अफसरों से कहा था कि पुलिस एक्शन में दिखे तथा गुंडे बदमाशों को चिह्नित किया जाए, जिसके बाद पुलिस हरकत में आ गई है।

एडिशनल एसपी का यह है कहना

बाजार में बटन वाले चाकुओं की बिक्री पर रोक लगी हुई है। लेकिन ऐसे सूचना प्राप्त हुई कि फ्लिपकार्ट तथा अमेजन जैसी ऑनलाइन शॉपिंग कंपनियों से ये आसानी से उपलब्ध हो रहे हैं। नाबालिग भी इन्हें खरीद रहे हैं। छिटपुट मामलों में भी इनके इस्तेमाल से अनायास ही हत्या जैसी वारदातें हो रही हैं। इसको ध्यान में रखते हुए दोनों कंपनियों के स्थानीय अधिकारियों को तलब किया गया था। उनसे बटन वाले चाकुओं की बिक्री पर रोक लगाने को कहा गया है। ऐसा नहीं करने पर कार्रवाई की बात कही गई है। इन अधिकारियों की ओर से अपने शीर्षस्थ अधिकारियों को पत्र लिखा जा रहा है। मेरी अमेजन के कोलकाता के उच्च अधिकारी से भी बात हुई है। साथ ही कंपनियों के स्थानीय अधिकारियों से प्रतिवेदन भी मंगाया गया है।

-लखन पटले, एडिशनल एसपी, रायपुर शहर

पटेल के निधन पर तीन दिन पार्टी मुख्यालय में झुका रहेगा पार्टी का झंडा

■ सभी जिला मुख्यालयों और ब्लाक मुख्यालयों में दी जायेगी श्रद्धांजलि

नव-प्रदेश संवादाता

अखिल भारतीय कांग्रेस के कोषाध्यक्ष अहमद पटेल के निधन पर प्रदेश कांग्रेस के मुख्यालय राजीव भवन में शोक सभा आयोजित की गयी। शोक सभा में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम, पूर्व मंत्री सत्यनारायण शर्मा, राज्यसभा सांसद छाया वर्मा सहित अन्य उपस्थित थे।

रायपुर। वरिष्ठ कांग्रेस नेता अहमद पटेल के निधन पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोहन मरकाम ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुये अहमद पटेल की पार्टी के प्रति सेवाओं का आदरपूर्वक उल्लेख करते हुये कहा है कि तीन दिन पार्टी मुख्यालय में पार्टी का झंडा झुका रहेगा। वरिष्ठ कांग्रेस नेता अहमद पटेल ने लंबे समय तक कांग्रेस पार्टी संगठन में विभिन्न पदों पर रहकर जनसेवा की। वरिष्ठ कांग्रेस नेता अहमद पटेल का निधन कांग्रेस परिवार की अपूरणीय क्षति है। यह भी कामना करते हैं कि शोक संतप्त पटेल परिवार को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्राप्त हो। वरिष्ठ कांग्रेस नेता अहमद पटेल के निधन पर कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष गिरीश देवांगन, प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष शैलेश नितिन त्रिवेदी, महामंत्री प्रशासन रवि घोष, प्रभारी महामंत्री संगठन चंद्रशेखर शुक्ला, राजेंद्र तिवारी सदस्य संचार विभाग, रमेश वर्ल्यानी सदस्य, आर पी सिंह सदस्य, सुरेंद्र शर्मा सदस्य, सुशील आनंद शुक्ला सदस्य, किरणमयी नायक सदस्य, विभोर सिंह सदस्य, रउफ कुरैशी सदस्य, विकास दुबे सदस्य, संदीप साहू सदस्य, नितिन भंसाली सदस्य, अमित श्रीवास्तव सदस्य, अमित यदु सदस्य, क्रांति बंजारे सदस्य, नीना रावतिया सदस्य, अधिवक्ता मोहन निषाद सदस्य ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए गहरा दुख व्यक्त किया है।

इन्होंने भी दी श्रद्धांजलि

वरिष्ठ कांग्रेस नेता अहमद पटेल के निधन पर प्रदेश प्रवक्ता घनश्याम राजू तिवारी, धनंजय सिंह ठाकुर, मोहम्मद असलम, एडवोकेट सुरेंद्र वर्मा, एम.ए. इकबाल, वंदना राजपूत, आलोक दुबे जगदलपुर, अभयनारायण राय बिलासपुर, जनार्दन त्रिपाठी सरगुजा, कमलजीत पिंटू राजनांदगांव, कृष्णाकुमार मरकाम धमतरी, स्वपनिल मिश्रा, प्रकाशमणि वैष्णव, अशुंल मिश्रा ने शोक व्यक्त किया है। शोक सभा में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम, पूर्व मंत्री सत्यनारायण शर्मा, राज्यसभा सांसद छाया वर्मा, प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष गिरीश देवांगन, प्रदेश उपाध्यक्ष गुरूमुख सिंह होरा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेन्द्र तिवारी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमेश वर्ल्यानी, प्रभारी महामंत्री संगठन चंद्रशेखर शुक्ला, संचार विभाग अध्यक्ष शैलेश नितिन त्रिवेदी, संचार विभाग सदस्य ज्ञानेश शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता घनश्याम राजू तिवारी, धनंजय सिंह ठाकुर, विकास तिवारी, मोहम्मद असलम, एम.ए. इकबाल, सुरेन्द्र वर्मा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता दौलत रोहड़ा, प्रदेश सचिव अजय साहू, सेवादल अध्यक्ष अरूण ताम्रकार, पंकज शर्मा, शहर कांग्रेस अध्यक्ष गिरीश दुबे, पंकज मिश्रा, इदरिश गांधी, दिलीप चौहान, सद्दाम सोलंकी, राजेश सिंह ठाकुर, सैयद अफसर अली, इखलाक कुरैशी, दिवाकर साहू, शेखर साहू, शीत श्रीवास, मतीन खान, सकलेन कामदार, जीतू भारती, नितिन ठाकुर, भूपेन्द्र साहू, योगेश साहू, हुमन साहू, दाउलाल साहू, सिद्धार्थ सिंह चंद्रा, शब्बीर खान, योगेश साहू, शहनाज बेगम, कमरान अंसारी, मोहनी कुर्रे, जी श्रीनिवास, आशीष शामिल थे। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष शैलेश नितिन त्रिवेदी ने जानकारी दी है कि छत्तीसगढ़ में तीन दिन पार्टी मुख्यालय में पार्टी का झंडा झुका रहेगा। सभी जिला मुख्यालयों और ब्लाक मुख्यालयों में दिवंगत नेता को शोक सभा आयोजित कर श्रद्धांजलि दी जायेगी।

हिरासत में आदिवासी इंजीनियर की मौत पर भाजपा का पलटवार

सरकार और पुलिस की कार्यप्रणाली मौत की जिम्मेदार-विष्णुदेव

■ न्यायिक जांच और दोषियों पर हत्या का मामला दर्ज करवाने की मांग

नव-प्रदेश संवादाता

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदेव साय ने पुलिस हिरासत में एक आदिवासी सब इंजीनियर पूनम कतलाम की हुई मौत के लिए प्रदेश सरकार और पुलिस तंत्र की कार्यप्रणाली पर जमकर निशाना साधा है। श्री साय ने इस घटना पर दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार और उसकी पुलिस संवेदनशून्य व निरंकुश होती जा रही है। आदिवास्यों के नाम पर राजनीतिक रोटियाँ सेंक रही प्रदेश सरकार का आदिवासी विरोधी चरित्र इस घटना से एक बार फिर जगज़ाहिर हो गया है। श्री साय ने पुलिस हिरासत में हुई युवा इंजीनियर की संदिग्ध मौत की न्यायिक जाँच कर दोषियों पर हत्या का मामला चलाकर उन्हें सख़्त सजा दिलाने की मांग की है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री साय ने कहा कि जबसे प्रदेश में कांग्रेस की सरकार सत्ता में आई है, अपराध लगातार बढ़ते जा रहे हैं जिन पर अंकुश पाने में प्रदेश का समूचा पुलिस तंत्र नाकारा साबित हो रहा है और दूसरी तरफ़ जाँच और पूछताछ के नाम पर संदेहियों के साथ पुलिस इस तरह पेश आ रही है कि संदेहियों को अपनी जान से हाथ तक धोना पड़ रहा है। श्री साय ने कहा कि दो साल के कार्यकाल में प्रदेश सरकार की कुनीतियों व प्रशासनिक अक्षमता के चलते पुलिस हिरासत में मौतों का सिलसिला चल पड़ा है। बदलापुर की राजनीति के अपने एजेंडे पर चल रही प्रदेश सरकार अपने विरोधियों के ख़िलाफ़ जिस तरह पुलिस का राजनीतिक इस्तेमाल कर रही है, उससे प्रदेश में एक नई तरह की अराजकता ने तो जन्म लिया ही है, प्रदेश के हर कोने में अपराधों की बाढ़ भी आ गई है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री साय ने कहा कि प्रदेश में ग़रीब, मज़दूर, आदिवासी और महिलाओं के साथ हो रहे अपराधों पर पुलिस क़ाबू नहीं पा सक रही है और आम निर्दोष लोगों के साथ ही संदेह के आधार पर पूछताछ के नाम पर पुलिस संगठित प्रताड़ना का ऐसा दौर चला रही है कि प्रदेश एक तरफ़ अपराधियों और दूसरी तरफ़ पुलिस की दहशत के साए में जीने को मज़बूर नज़र आ रहा है। श्री साय ने कहा कि सूरजपुर ज़िले की लटोरी पुलिस चौकी में मृत सब इंजीनियर कतलाम के परिजनों ने पुलिस पर संदेही कतलाम के साथ बेदम पिटाई करने का आरोप लगाया है जबकि पुलिस अब इस मामले पर भी लीपापोती करने में जुट गई है। पुलिस मृतक को पहले से ही बीमार होना बताकर अपना पल्ला झाड़ रही है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री साय ने कहा कि प्रदेश सरकार और उसकी नौकरशाही ने हाल के महीनों में घटी आत्महत्या या आत्मगात की कोशिश के मामलों में मृतकों या पीड़ितों के बीमार व मानसिक असंतुलन की बात करके ऐसे मामलों की गंभीरता को कम करके आँका है। यह रवैया सरकार की जनविरोधी कार्यप्रणाली का परिचायक है और भाजपा सरकार के इस नज़रिए को निंदनीय मानती है। श्री साय ने विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी व परिजनों की मौजूदगी में मृतक के पोस्टमार्टम पर ज़ोर देकर कहा कि इस घटना की परिस्थितियों के मद्देनज़र जाँच कर पीड़ित परिवार को मुआवजा, एक सदस्य को तत्काल सरकारी नौकरी देने और न्याय दिलाने की मांग की है।

सीएम बघेल सांसद बैज के गृह प्रवेश कार्यक्रम में हुए शामिल

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल बुधवार राजधानी रायपुर के देवेन्द्र नगर की आफिसर्स कॉलोनी स्थित लोकसभा सांसद दीपक बैज के निवास पहुंचकर उनके गृह प्रवेश के कार्यक्रम में शामिल हुए। श्री बघेल ने दीपक बैज से मुलाकात की और उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद श्रीमती फूलोदेवी नेताम, उद्योग मंत्री कवासी लखमा, राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री अमरजीत भगत, मुख्यमंत्री के सलाहकार विनोद वर्मा, छत्तीसगढ़ राज्य गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष कुलदीप जुनेजा और छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष शैलेष नितिन त्रिवेदी उपस्थित थे।

तैनाती खाद्य सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने किया धान खरीदी केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण

बार्डर में कड़ी निगरानी की जरूरत : सिंह

नव प्रदेश संवादाता

रायपुर। राज्य शासन के निर्देशानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2020-21 में समर्थन मूल्य पर किसानों से धान की खरीदी आगामी 01 दिसम्बर 2020 से किया जाना है। इसके लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही है। खाद्य सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह आज महासमुंद जिले के कई धान उपार्जन केन्द्रों का आकस्मिक निरिक्षण किया। खाद्य सचिव ने किसानों के धान उपार्जन के लिए किए जा रहे तैयारियों का जायजा लेने के लिए जिले के ग्राम झालखम्हरिया, बावनकेरा, चौकबेड़ा एवं बड़गॉव तथा कृषि उपज मंडी बागबाहरा एवं धान उपार्जन केन्द्र घुचापाली का औचक निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने कहा कि महासमुंद जिले के कई उपार्जन केन्द्र ओड़िशा प्रांत से लगे होने के कारण कोचियों के माध्यम से यहां अवैध धान लाने की आशंका बनी रहती है। इसलिए सीमा में कड़ी निगरानी रखने की जरूरत है। इसके लिए धान खरीदी से पहले नोडल अधिकारियों की नियुक्ति कर लगातार मॉनिटरिंग कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धान खरीदी शुरू होने से पहले सभी केन्द्रों में बारदाने की उपलब्धता सुनिश्चित होनी चाहिए। पिछले वर्ष जिन धान खरीदी केंद्रों में गड़बड़ियां पाई गई थी, वहां कड़ी निगरानी रखी जाए। उन्होंने कहा कि इस वर्ष मौसम अनुकूल होने से अधिक धान खरीदी की संभावना है। धान पंजीयन में किसानों की संख्या बढ़ी है। उन्होंने कहा कि गिरदावरी में धान के रकबे पंजीयन हुआ है। उसी के अनुरूप किसानों द्वारा बोए गए वास्तविक रकबे की खरीदी होनी चाहिए।

खाद्य सचिव ने धान उपार्जन केन्द्र में आवश्यक व्यवस्था जैसे मुख्य सड़क से खरीदी केन्द्र तक सड़क की स्थिति, भूमि की उपलब्धता, समतलीकरण एवं पानी निकासी की व्यवस्था, केन्द्रों में पक्के चबूतरों के निर्माण की स्थिति, केन्द्र में भवन, बिजली, पानी की व्यवस्था, किसान पंजीयन, कम्प्यूटर, प्रिंटर, यू.पी.एस., जनरेटर, इंटरनेट आदि की व्यवस्था, केन्द्र में उपलब्ध कांटा-बांट और हमालों की व्यवस्था, आर्द्रता मापी यंत्र, बारदानों की उपलब्धता, बारिश से धान की बचाव के लिए तिरपाल, ड्रेनेज की व्यवस्था एवं किसानों को धान बिक्री के लिए एक सप्ताह पूर्व टोकन जारी करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने ग्रामीण सेवा सहकारी समिति झालखम्हरिया में उपलब्ध पुराने एवं नए बारदानें की गुणवत्ता भी देखी। उल्लेखनीय है कि खरीफ सीजन 2020-21 में महासमुंद जिले के एक लाख 40 हजार किसानों ने धान विक्रय हेतु सहकारी समितियों में पंजीयन कराया हैं। जिनका कुल रकबा 02 लाख 11 हजार हेक्टेयर से अधिक हैं। निरीक्षण के दौरान महासमुंद जिले के कलेक्टर श्री कार्तिकेया गोयल, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के नोडल अधिकारी, खाद्य अधिकारी, उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं, जिला विपणन अधिकारी सहित संबंधित विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

आकांक्षा लॉयंस इंस्टीट्यूट ऑफ लर्निंग एंड डेवलपमेंट ने किया दिव्यांग बच्चों के लिए सलाद ड्रेसिंग कम्पीटिशन का आयोजन

नव प्रदेश संवादाता

रायपुर। देश की अग्रणी एफएमसीजी डायरेक्ट से लिंग कंपनियों में से एक एमवे इंडिया ने लगातार 12वें वर्ष बाल दिवस मनाया। वार्षिक समारोह एमवे इंडिया के सीएसआर कार्यक्रम- प्रोजेक्ट सनराइज के हिस्से के रूप में अपने 12 एनजीओ भागीदारों के साथ पूरे भारत में वर्चुअली आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम के माध्यम से एमवे शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता तक पहुंच प्रदान करके वंचित बच्चों के समग्र कल्याण का समर्थन करता है । इसके अलावा 'पॉवर ऑफ 5 कैंपेन ' के माध्यम से एमवे 5 साल से कम उम्र के बच्चों में कुपोषण के उन्मूलन की दिशा में लगातार काम कर रहा है।यह अभियान बड़े पैमाने पर माताओं, देख भाल करने वालों और समुदायों में आवश्यक जागरूकता और व्यावहारिक बदलाव लाने पर केंद्रित है।

इस वर्ष नए नियम का पालन करते हुए एमवे ने सामाजिक दूरी को बनाए रखते हुए बच्चों को एक साथ लाने के उद्देश्य से समारोह का आयोजन वर्चुअली किया । भारतीय चित्रकला और सांस्कृतिक प्रदर्शनों पर कार्यशालाओं से लेकर वर्चुअल सलाद ड्रेसिंग और कहानी सुनाने के सत्रों एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताओं के साथ एमवे इंडिया ने कई पारस्परिक गतिविधियों का आयोजन किया, जिन्हें युवाओं को सशक्त और प्रोत्साहित करने के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया था। रायपुर में, आकांक्षा लॉयंस इंस्टीट्यूट ऑफ लर्निंग एंड डेवलपमेंट के सहयोग से एमवे ने दिव्यांग बच्चों को एक सलाद ड्रेसिंग कम्पीटिशन में वर्चुअली भाग लेने और बालदिवस का जी भरकरलुत्फ लेने के लिए प्रोत्साहित एवं संलग्न किया। इस कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों के लिए रोमांचक उपहारों के साथ हुआ।

एमवे इंडिया के एसोसिएट वाइस प्रेजिडेंट ङ्क वेस्ट श्री देबाशीष मजूमदार ने कहा,÷इस दुनिया में सबसे कीमती चीज एक बच्चे की मुस्कान है और इस सोच के मद्दे नजर एमवे इंडिया अपने एनजीओ भागीदारों के साथ हर साल बाल दिवस मनाता है। इस अभूत पूर्व संकट की घड़ी में यह काफी महत्वपूर्णहै कि कुछ समय निकाला जाए और युवाओं द्वारा दिखाए गए लचीलेपन की सराहना की जाए, क्योंकि वे लगातार बदलती दुनिया का सामना करते हैं। एमवे में हमारा विजन लोगों को बेहतर, स्वस्थ जीवन जीने में मदद करना है।

संपादकीय

लालू को जेल से सियासी खेल

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव जो चारा घोटाले में सजायाफ्ता है इन दिनों झारखण्ड की राजधानी रांची की जेल में सजा काट रहे है। उनकी सजा का दो साल से ज्यादा का समय बीत चुका है लेकिन एक दिन के लिए भी वो जेल में नहीं गए। सजा होते ही वे अस्पताल में भर्ती हो गए और रांची स्थित रिम्स के प्रायवेट वार्ड में अपनी तिमारदारी कराते रहे। इस बीच झारखण्ड में सीबू सोरेन की सरकार बन गई जिसे राष्ट्रीय जनता दल ने समर्थन दिया हुआ है। इसलिए लालू यादव को वीआईपी ट्रिटमेंट मिलना शुरू हो गया और वे पिछले दो माह से रिम्स के निदेशक के आलीशान सरकारी बंगले में सजा के नाम पर मजा उड़ा रहे है जबकि रिम्स के निदेशक गेस्ट हाउस में पड़े हुए है। सीबू सोरेन की सरकार की मेहरबानी के कारण जेल मेन्यूवल की धज्जियां उड़ रही है और चारा चोर लालू यादव को सरकारी बंगले में सभी तरह की सुविधाएं मुहैया कराई जा रही है। इस तरह लालू यादव तथा कथिते जेल में रहते हुए भी रियासी खेल खेल रहे है। बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान भी उन्होने अपने बंगले नुमा जेल को सियासी अखड़ा बना रखा था और राजनीतिक दांव पेंच खेलते रहे है। अब चूंकि बिहार में उनकी पार्टी बहुमत से दूर रह गई और उनके पुत्र तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री नहीं बन पाएं तो लालू यादव अब बिहार सरकार को गिराने का षडयंत्र कर रहे है। भाजपा ने लालू यादव पर आरोप लगाया है कि उन्होने जेल से भाजपा विधायक ललन पासवान को फोन कर के मंत्री पद का लालच दिया और कल होने वाले विधानसभा अध्यक्ष के चुनाव में राजद प्रत्याशी को समर्थन देने के लिए कहा। जब ललन पासवान ने पार्टी का हवाला दिया तो लालू यादव ने उनसे कहा कि विधानसभा अध्यक्ष के चुनाव के दौरान वे सदन से अनुपस्थित रहे और कोरोना होने का बहाना कर के कही चले जाएं। उनकी पार्टी का स्पीकर बन जाने के बाद बिहार सरकार गिर जाएगी और फिर उन्हे मंत्री पद से नवाजा जाएगा। इस बारे में भाजपा ने एक आडियों क्लिप भी जारी किया है और मांग की है कि लालू यादव को रिम्स निदेशक के बंगले से हटाकर तत्काल जेल भेजा जाएं। भाजपा का यह आरोप कितना सही है यह तो जांच के बाद पता चलेगा लेकिन लालू यादव जेल के बदले सरकारी बंगले में रह कर जो सियासी खेल खेल रहे है वह सर्वविदित है, उन्हे उक्त सरकारी बंगले से हटाया जाना चाहिए।

विचार

अनिश्चय का मारा मंच

इस अनिश्चय के पीछे काफी बड़ी भूमिका अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के असहयोग की भी है जो अपने पूरे कार्यकाल के दौरान तमाम अंतरराष्ट्रीय समझौतों और संस्थाओं के प्रति असम्मान प्रदर्शित करते रहे हैं। रविवार को संपन्न हुई जी-20 देशों की दो दिवसीय वर्चुअल शिखर बैठक में कोविड-19 महामारी का मुद्दा छाया रहा, जो स्वाभाविक है। जो बात स्वाभाविक नहीं कही जा सकती वह यह कि इसी महामारी से पैदा हो रहे वैश्विक मंदी के हालात को लेकर विश्व अर्थव्यवस्था के इस सबसे महत्वपूर्ण मंच पर अपेक्षित चर्चा नहीं हो पाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना के बाद की दुनिया को ध्यान में रखते हुए नया ग्लोबल इंडेक्स बनाने का आह्वान किया जिसमें विस्तृत टैलंट पूल बनाने, समाज के हर तबके तक टेक्नॉलजी की पहुंच सुनिश्चित करने, शासन में पारदर्शिता लाने और धरती मां के साथ स्वामित्व के बजाय ट्रस्टीशिप का संबंध विकसित करने पर जोर हो।

दीर्घकालिक नजरिये से उनके इन सुझावों की अहमियत से शायद ही कोई इनकार करे, लेकिन स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर जिन भीषण चुनौतियों से दुनिया जूझ रही है, उन पर जी-20 देशों की तरफसे कोई ठोस पहल सामने न आना न केवल आश्चर्यजनक और काफी हद तक निराशाजनक है बल्कि इसको इस प्रभावी वैश्विक मंच की एक नाकामी के ही रूप में दर्ज किया जाएगा। जी-7 भले ही दुनिया के सबसे अमीर और साधनसंपन्न देशों का समूह हो, पर उसका रेंज इस मायने में बहुत कम है कि उसमें दिनोंदिन अधिक शक्तिशाली हो चली विकासशील और उभरती अर्थव्यवस्थाओं का कोई प्रतिनिधित्व नहीं हो पाता।

इसके बरक्स जी-20 में दुनिया के कुल उत्पादन के 85 फीसदी हिस्से को कवर करने वाले तमाम बड़ी और मध्यम अर्थव्यवस्थाओं वाले देश शामिल हैं। यही वजह है कि जब भी दुनिया किसी बड़ी चुनौती के रू-ब-रू होती है तो जी-20 से यह उम्मीद की जाती है कि वह कोई एकीकृत रणनीति लेकर सामने आएगा। 2009 के वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान इस मंच ने यह जिम्मेदारी बखूबी निभाई थी। इस बार तो दुनिया महामारी और आर्थिक संकट की दोहरी चुनौती से गुजर रही है। कोरोना के चलते पूरी दुनिया में 14 लाख लोगों की मौत हो चुकी है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष कह चुका है कि इस साल वैश्विक अर्थव्यवस्था में 4.4 फीसदी की गिरावट आने वाली है। विश्व बैंक ने आगाह किया है कि कोरोना महामारी के चलते 10 करोड़ लोग भीषण गरीबी में धकेले जा सकते हैं। बावजूद इसके, जी-20 के देश सहयोग और सामंजस्य की सामान्य अपीलों से आगे नहीं बढ़ सके। हालांकि इसकी जिम्मेदारी पूरी तरह जी-20 के सामूहिक विवेक पर नहीं डाली जा सकती। इस अनिश्चय के पीछे काफी बड़ी भूमिका अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के असहयोग की भी है जो अपने पूरे कार्यकाल के दौरान तमाम अंतरराष्ट्रीय समझौतों और संस्थाओं के प्रति असम्मान प्रदर्शित करते रहे हैं। जी-20 की बैठक के दौरान भी इसके कुछ कार्यक्रमों में हिस्सेदारी करने के बजाय गोल्फखेलते हुए अपना समय बिताना उन्हें ज्यादा जरूरी लगा।

अभी बरकरार है कोरोना का खतरा

डॉ. श्रीनाथ सहाय

> राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और हिमाचल के कई जिलों में रात्रि कर्फ्यू शुरू हो चुका है। बहरहाल, अब देश में भले ही संक्रमण में तेजी आई है लेकिन इसको लेकर पहले जैसा खौफनहीं है। देश की बड़ी आबादी कोरोना को लेकर गंभीर हुई है लेकिन लापरवाही बरतने वालों का प्रतिशत भी कम नहीं है। यही वजह है कि मुख्यमंत्रियों की बैठक में आरटी-पीसीआर टेस्टिंग पर जोर दिया गया। कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच अच्छी खबर आई है। अगले दो से तीन महीनों में देश को असरदार वैक्सीन मिल सकती है। केंद्र सरकार ने वैक्सीनेशन की प्रक्रिया पर फोकस करना शुरू कर दिया है। सरकार ने मंगलवार को सभी राज्यों को इसके लिए पत्र भेजा है। फिलहाल यह न भूलें कि जिंदगी की राहें सामान्य नहीं हुई हैं। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा है कि कोरोना वायरस शायद हमारे बीच बना रहे और इसे कंट्रोल में लाने के लिए काफी बड़े प्रयास करने पड़ेंगे।

देश के कोरोना के केस धीरे-धीरे बढ़ोतरी की ओर हैं। विशेषज्ञों की माने तो ये कोरोना प्रकोप की दूसरी लहर है। कोरोना संकट की नयी लहर से सर्वाधिक प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक में संक्रमण से बचाव के लिये वैक्सीनेशन कार्यक्रम में राज्यों की बड़ी भूमिका को स्वीकार करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कारगर रणनीति बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय नागरिकों को बेहतर वैक्सीन देने के प्रयास हैं। वैक्सीन की पूरी तैयारी है। भारत की वैक्सीन भी उम्मीदों पर खरी उतरेगी। 'बचाव जरूरी' के नारे के साथ प्रधानमंत्री ने कहा कि हमने कोविड के संक्रमण का मुकाबला बेहतर ढंग से किया है, जिसके चलते दुनिया में हमारे देश में ठीक होने वाले लोगों का प्रतिशत ज्यादा है और मृत्यु दर कम है। उन्होंने चेताया कि लापरवाही नहीं होनी चाहिए ताकि यह न कहना पड़े कि हमारी कश्ती वहां डूबी जहां पानी कम था। मुख्यमंत्रियों की बैठक में इस बात पर बल दिया गया कि वैक्सीन की सुरक्षित आपूर्ति के लिये कोल्ड स्टोरेज क्षमता को यथाशीघ्र बढ़ाया जाये। कुल मिलाकर यह कार्यक्रम राष्ट्रीय प्रतिबद्धता के साथ चलाने की जरूरत है। जिसे सुनियोजित ढंग से चलाया जाये तथा ?इसमें केंद्र व राज्य सरकारों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित हो। साथ?ही नागरिकों को भी इसके लिये जागरूक करने की जरूरत है।?वास्तव में महामारी के बीच आर्थिकी को संबल देने के लिए ही अनलॉक के दरवाजे खुलते गए, लेकिन त्योहारी, सामाजिक, सांस्कृतिक, व्यापारिक, राजनीतिक व आर्थिक हसरतों ने फिर खतरे मोल ले लिए।

विशेषज्ञों के मुताबिक अभी तो सर्दियों की ठंड शुरू हुई है। देश में कई स्थानों पर तापमान एक डिग्री सेल्सियस से भी कम हो गया है। राजधानी दिल्ली का न्यूनतम तापमान 6-7 डिग्री के बीच झूल रहा है। यानी कोरोना वायरस का एक बेहद अनुकूल मौसम बन गया है। कोरोना को 'कोल्ड वायरस' भी कहा जाता है, क्योंकि यह कंपकंपाती सर्दी में भी जिंदा रहता है और खूब तेजी से फैलता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन इसे कोरोना वायरस की दूसरी या तीसरी लहर कुछ भी माने, लेकिन यह एक घातक लहर है, जिसे भारत झेल रहा है। इसने तमाम अनुमानों और आकलनों को गलत साबित कर दिया है,

क्योंकि भारत के 18 राज्यों में कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। महाराष्ट्र, केरल, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, उप्र, राजस्थान, हरियाणा, छत्तीसगढ़ और आंध्रप्रदेश-इन 10 राज्यों में ही देश के करीब 77 फीसदी सक्रिय मरीज हैं। हररोज औसतन 500 मौतें हो रही हैं। देश में मौतों का 21 फीसदी दिल्ली में ही है। दिवाली के बाद 751 कोरोना मरीजों की मौत सिर्फ दिल्ली में ही हुई है। देश भर में बीते एक सप्ताह के दौरान 3588 मौतें दर्ज की गई हैं। कुल मौतें 1.34 लाख का आंकड़ा पार कर चुकी हैं। ये तमाम सामान्य आंकड़े नहीं हैं। देश में अब तक कोरोना संक्रमण के 92.21 लाख केस आ चुके हैं। 86.41 लाख मरीज ठीक हो चुके हैं। 1.34 लाख संक्रमितों की मौत हो चुकी है और 4.43 लाख मरीजों का इलाज चल रहा है। यानी एक करोड़ का हैरतअंगेज आंकड़ा आज एक नंगे सच की तरह सामने मौजूद है। अमरीका के एक शोध संस्थान का निष्कर्ष साकार हो रहा है, जिसने कई माह पूर्व अपना आकलन दिया था कि भारत में नवंबर माह तक संक्रमण के आंकड़े एक करोड़ को पार कर जाएंगे। विशेषज्ञों ने जब पूर्व में विश्लेषण किया था और तब ऐसा दूर-दूर तक प्रतीत नहीं होता था कि हमारे देश में कोरोना का यथार्थ इतना भयावह भी हो सकता है।

बहरहाल देश की राजधानी दिल्ली में हालात खतरनाक हैं। संक्रमित मामलों का औसत 6500-7000 मरीज है। रविवार को भी 6746 संक्रमित मरीज दर्ज किए गए और मौतें भी 121 हुई। कोरोना की लहर पलट कर ऐसी आई है कि दिल्ली में कई पटरी बाजार 30 नवंबर तक बंद कराने पड़े हैं और मप्र, राजस्थान, गुजरात के कई जिलों में रात का कर्फ्यू लागू किया गया है। उप्र, हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात और मणिपुर आदि राज्यों में केंद्रीय टीमें भेजी गई हैं। वे कोरोना के मोर्चे पर लड़ाई की तैयारियों का आकलन करेंगी और बंदोबस्त भी दुरुस्त करेंगी। कोरोना के मौजूदा पलटवार के लिए, बेशक, सर्दी एक प्राकृतिक कारण है, लेकिन प्रदूषण और त्योहारी मौसम में बाजारों में भीड़, मास्क और दो गज की दूरी, यानी एहतियात को हाशिए पर रख कर संक्रमण के जहरीले बीज हमने खुद ही बोये हैं।

कोरोना वायरस से बचाव के लिये वैक्सीन का निर्माण भी अंतिम दौर में बताया जा रहा है। ऐसे में सवाल है कि टीका लगा तो उससे मरीज के लक्षण रूकेगें, खत्म होंगे या उससे वायरस का फैलाव रूकेगा? बुजुर्ग लोगों के शरीर का प्रतिरोधक, इम्यून सिस्टम बहुत कमजोर होता है, तभी ऐसे शरीर में फ्लू वैक्सीन का कम असर होता है। उस नाते फाइजरध्बायोएनटेक और ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका के वैक्सीन के बुजुर्गो पर असरदार होने की खबर सुकूनदायी है लेकिन क्या ऐसा दूसरे वैक्सीन, प्रोटिन आधारित वैक्सीन से भी होगा? वैक्सीन की रिसर्च में कई तरीके आजामाए जा रहे है। उन सबसे अलग-अलग आयु वर्ग में अलग-अलग असर की गुत्थी बननी है जिस पर वैश्विक एक राय आसान काम नहीं है। हिसाब से यह सब विश्व स्वास्थ्य संगठन की देखरेख में होना चाहिए था लेकिन इस महिने तीन वैक्सीन या रूस-चीन की वैक्सीन को ले कर जितनी खबरे बनी क्या किसी में डब्ल्यूएचओ का रोल दिखलाई दिया?

इन सबके बीच महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमण रोकने के लिए आज से नए नियम लागू होने जा रहे हैं। राज्य में दिल्ली, एनसीआर, राजस्थान, गुजरात और गोवा से आने वाले लोगों को बिना कोरोना निगेटिव रिपोर्ट के राज्य में एंट्री नहीं मिलेगी। दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने कहा कि जब तक वैक्सीन नहीं मिलती तब तक दिल्ली में स्कूल खुलना मुश्किल है। सिसोदिया ने एक इंटरव्यू में कहा, 'दिल्ली में इस वक्त कोरोना की तीसरी लहर चल रही है और यह सबसे खतरनाक है।' हरियाणा में भी स्कूल खुलने के बाद बंद करने पड़े हैं।

लव जिहाद पर कानून असंवैधानिक हो सकता है

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

> लव जिहाद के ये मामले किनके बीच हो रहे हैं ? ये प्रायः मुसलमान लड़कों और हिंदू लड़कियों के बीच हो रहे हैं। लेकिन 'लव जिहाद' शब्द चला है, केरल से। पिछले 10-11 वर्षों में केरल और कर्नाटक के पादरी शिकायत करते रहे कि लगभग 4000 ईसाई लड़कियों को जबरन मुसलमान बनाया गया है। उन्हें डरा-धमकाकर, लालच देकर या झूठ बोलकर उनका धर्म-परिवर्तन करा दिया गया है। जो काम अंग्रेज के ज़माने में विदेशी पादरी लोग मूंछों पर ताव देकर करते थे, वही आरोप उन्होंने इस्लामी मुल्ला-मौलवियों पर लगा दिया।

जहां 'लव' है, वहां 'जिहाद' कैसा ? जिहाद तो दो तरह का होता है। जिहादे-अकबर और जिहादे-अशगर ! पहला, बड़ा जिहाद, जो अपने काम, क्रोध, मद, लोभ मोह के खिलाफइंसान खुद लड़ता है और दूसरा छोटा जिहाद, जो लोग हमलावरों के खिलाफलड़ते हैं। जहां प्रेम है, वहां जिहाद का क्या काम ? प्रेम के पैदा होते ही सारे जिहादों का याने युद्ध का अंत हो जाता है। लेकिन फिर भी भारत में यह शब्द चल पड़ा है- लव जिहाद याने प्रेमयुद्ध।

इस लव जिहाद के खिलाफ भाजपा की लगभग सभी प्रांतीय सरकारों ने जिहाद छेड़ देने की घोषणा कर दी है। वे ऐसा कानून बनाने की कोशिश कर रही हैं, जिसके तहत उन सब लोगों को कम से कम पांच साल की सजा और जुर्माना भुगतना पड़ेगा, जो किसी हिंदू लड़की को मुसलमान बनाने के लिए उससे शादी का नाटक रचाते हैं। ऐसी शादियां बलात्कार, लालच, भय और बहकावे के जरिए होती हैं। यह भी कहा जा रहा है कि इन शादियों का आयोजन विदेशी पैसे के बल पर योजनाबद्ध षडयंत्र के तहत होता है। यदि सचमुच ऐसा हो रहा है तो यह अनैतिक तो है ही, यह राष्ट्रविरोधी काम भी है। इसके विरुद्ध जितनी सख्ती की जाए, उतनी कम है लेकिन इधर कानपुर से आई एक ताजा सरकारी जांच रपट के मुताबिक ऐसा एक भी मामला सामने नहीं आया है, जहां धर्म-परिवर्तन के लिए विदेशी पैसा इस्तेमाल हुआ है या कोई योजनाबद्ध षड़यंत्र किया गया है। सरकार के विशेष जांच दल (सिट) ने ऐसे 14 मामलों की जांच-पड़ताल के बाद यह निष्कर्ष निकाला है। 11 मामलों में उसे शादी के पहले बलात्कार के मामले जरुर मिले हैं। इस आरोप की जांच-पड़ताल सरकारी एजेंसियों ने जमकर की लेकिन उन्हें हर मामले में ऐसे प्रमाण नहीं मिले कि उन अन्तर्धार्मिक शादियों में लालच, डर या बहकावे का इस्तेमाल किया गया है। हां, कुछ इस्लामी संगठनों के ऐसे प्रमाण जरुर मिले हैं, जो बाकायदा धर्म-परिवर्तन (तगय्युर) की मुहीम चलाए हुए हैं। लेकिन यदि यहूदी और पारसियों को छोड़ दें तो ऐसा कौनसा मजहब है, जिसके लोग

अपना संख्या-बल बढ़ाने की कोशिश नहीं करते ? इसका बड़ा कारण स्पष्ट है। वे यह मानते हैं कि ईश्वर, अल्लाह, गॉड या यहोवा को प्राप्त करने का उनका मार्ग ही सर्वश्रेष्ठ और एकमात्र मार्ग है। और फिर संख्या-बल राजनीतिक वजन भी बढ़ाता है। सिर्फ हिंदू धर्म ही एकमात्र ऐसा है, जो यह मानता है कि 'एकं सदविप्रा बहुधा वदन्ति' याने सत्य तो एक ही है लेकिन विद्वान उसे कई रुप में जानते हैं। इसीलिए भारत के हिंदू, जैन, बौद्ध या सिख लोगों ने धर्म-परिवर्तन के लिए कभी तीर, तलवार, तोप और तिजोरी का सहारा नहीं लिया। ईसा मसीह और पैगंबर मुहम्मद का ज़माना कुछ और था और अदभुत क्रांतिकारी था लेकिन उसके बाद का ईसाइयत और इस्लाम का धर्मांतरण का इतिहास काफी शोचनीय रहा है। यूरोप में लगभग एक हजार साल के इतिहास को अंधकार-युग के नाम से जाना जाता है और यदि आप भारत, अफगानिस्तान, ईरान और मध्य एशिया के मध्युगीन इतिहास को पढ़ें तो आपको पता चलेगा कि यदि आप सूफियों को छोड़ दें तो इस्लाम जिन कारणों से भारत में फैला है, उनका इस्लाम के सिद्धांतों से कुछ लेना-देना नहीं है। भारत में ईसाइयत और अंग्रेजों की गुलामी एक ही सिक्के के दो पहलू रहे हैं। इसका तोड़ आर्य समाज ने निकाला था। 'शुद्ध आंदोलन' लेकिन वह भी अधर में लटक गया, क्योंकि मजहब पर जात भारी पड़ गई। 'घर वापसी' का भी वही हाल है। मजहब और जाति, आज की राजनीति के सबसे मजबूत हथियार बन गए हैं। लेकिन जहां सच्चा प्रेम हो, वहां मजहब, जात, पैसा, हैसियत वगैरह के तत्व अपने आप दरी के नीचे सरक जाते हैं। दुनिया में प्रेम से बड़ा कोई मज़हब नहीं है। मैं तो यह मानता हूं कि यदि कोई भी कानून इस सच्चे प्रेम में अंड़गा लगाता है तो वह अनैतिक है। ऐसा कोई भी कानून असंवैधानिक घोषित हो जाएगा, जो हिंदू और मुसलमानों पर एक-जैसा लागू नहीं होगा। कोई कानून ऐसा बने कि हिंदू लड़की मुसलमान लड़के से शादी न कर सके और इसके विपरीत मुसलमान लड़की हिंदू लड़के से शादी कर सके तो वह कानून अपने आप रद्द हो जाएगा। अमेरिका में 1960 तक गोरों और कालों के बीच शादी पर ऐसा कानून लागू होता था लेकिन वह रद्द हो गया।

हमें ऐसे सबल भारत का निर्माण करना है, जिसमें अन्तर्जातीय और अन्तर्धार्मिक परिवार पूर्ण समन्वय में रहते हों। मुझे स्वयं पिछले 50-55 वर्षों में अमेरिका, रुस, चीन, फ्रांस, ब्रिटेन, मोरिशस, अफगानिस्तान आदि देशों में ऐसे परिवारों के साथ रहने का मौका मिला है कि जिनमें हिंदू पति अपनी मुसलमान पत्नी के साथ रोज़ा रखता है और मुस्लिम पत्नी मगन होकर कृष्ण-भजन गाती है, हिंदू पति गिरजे में जाता है और उसकी अमेरिकी गोरी पत्नी मंदिर में आरती उतारती है। यदि आपके दिल में सच्चा प्रेम है तो सारे भेदभाव हवा हो जाते हैं। मंदिर, मस्जिद, गिरजे की दीवारें गिर जाती हैं और आप उस सर्वशक्तिमान को स्वतः उपलब्ध हो जाते हैं।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

मेरा भिलाई तेरा

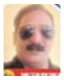

मेरा भिलाई तेरा भिलाई हम सबका प्यारा भिलाई जन जन का दुलारा भिलाई प्रदेश का सितारा भिलाई मेरा भिलाई हर किसी को रास आता जो भी आता यही का हो जाता शांति का प्रतीक कहलाता एकता की कहानी कह जाता संयंत्र जिसकी है शान है शिक्षाधानी जिसका नाम है 36गढ़ के सभी जिले में प्रमुख मेरा शहर दुर्ग-भिलाई। **- शत्रुंजय तिवारी**

वह बुद्ध हो चला

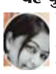

वह बुद्ध हो चला आसानी से कह चलो छोड़ दुनियाँ की रीत कर रीता मन किसी का..! व्यर्थ की बाध्यता व्यर्थ की मुग्धता चल पड़ा निर्वाण पर अस्त कर मुस्कान किसी की..! उम्मीदों का ताना बाना मद्धम श्वाश का आना जाना लुम्बिनी के वट तलेचल प्रतीक्षा अब रद्द करें.! निर्वाण हो या सन्यास मरती नही आस की प्यास।

- सुरेखा अग्रवाल

खास पाती | दर्द है पर चेहरे पर मुस्कान

दर्द है पर चेहरे पर मुस्कान लाया हूँ , दिल में जाने कितने अरमान लाया हूँ ! तुम सितारा बन कर रौशनी तो बिखेरों, मैं अपने साथ पूरा आसमान लाया हूँ ! रश्क और नफ़रत की आँधियों के बीच , हवाओं में मोहब्बत का पैगाम लाया हूँ ! आप देना चाहे न देना यह आपकी मर्जी , मैं दिल में सबके लिए सम्मान लाया हूँ ! चलो कम करने जमाने के रंजो ग़म को , मैं सबकी बेहतरी का फरमान लाया हूँ ! हिसाब पुखूता है ये आप भी देख लीजिए , जो कुछ बचा है वो सारा समान लाया हूँ ! मैं हर ओर पसरी हुई बुरी दुर्गंध के बीच , खुश्बुओं से भरी इत्र की दुकान लाया हूँ। **- राज चुन्नी शर्मा**

फूल के गीत गाते रहे इसलिये

फूल के गीत गाते रहे इसलिये जो बसंती नए गीत -गुंजन दिये !छू लिए थे अधर ,बज उठी बांसुरी कल्पना के नए गीत-मधुबन दिये !मीन के पंख को झील देदीं कई ,द्वार मन के सजाई रंगोली नई ,स्वरों में फूल-मकरंद घोला कोई -भावना के मधुर भाव-वन्दन दिये फूल के गीत पतझडों में कि देखा कली खिल उठीं ,घाटियों में गगन से जमीं मिल उठीं प्रीति की गंध सोंधी.., बही छन्द से प्यार के ये नए गीत-गुलशन दिये उस तरुण राह में एक तुम मिल गये गीत को ठहरे-ठहरे से पल मिल गये नेह झरनों से गुन -गुन नई सी उठी चांदनी ने झरनों को चुम्बन दिये। **- अजय कुमार सिंह भदौरिया**

कितनी निश्चल, सात्विकता की मूर्ति

कितनी निश्चल, सात्विकता की मूर्ति लगती हो, जैसे श्री कृष्ण की कामधेनु सी लगती हो, देवत्व और प्राकृतिक कृपा की महिमा है तुम्हारे में, मेरी बछिया तुम कितनी निर्मल और सुन्दर लगती हो।

- संगीता राठी

प्रेम जब उगता है तब वह फैल

प्रेम जब उगता है तब वह फैल जाता है संसार में रौशनी बनकर खिल उठता है फूल बनकर बिखर जाता है खुशबु बनकर बरस जाता है बारिश बनकर टपक जाता है ओस बनकरऔर न जाने कब कब क्या बनकर जीता है संसार में फिर कवि निश दिन घुमता है बागों में पहाड़ों पर महसूस करता है ओस को रौशनी को और तब फिर लिखता है एक प्रेम गीतएक कविता मुहब्बत से लबालब एक एहसास। **- प्रीती श्रीवास्तव**

जो कह नही पाते किसी से वो

जो कह नही पाते किसी से वो किताबों में लिखा जाता है, जो हो नही पाता असल ज़िन्दगी में वो मुकम्मल किताबों में किया जाता है। एक बेचैनी घटती है होता कुछ भी नही नया, कोई किस्मत नही बदलती, बस कुछ नीम सा भुलाने को कुछ शहद सा पिया जाता है। **- वर्षा गुप्ता**

शुभता,अशुभता तो मानव मष्तिष्क

शुभता,अशुभता तो मानव मष्तिष्क की संदेहास्पद उपज मात्र है वो तो हमारे अंतर्मन द्वारा किये कर्मों हमारी नैतिक या अनैतिक सोच पर निर्भर करता है कि कब हमारे राहुकाल या भद्राकाल की शुरुवात होने वाली है....!! **- निशारावल**

आओ बैठोः क्षण भर समीप मेरे

आओ बैठोः क्षण भर समीप मेरे। चलो मिल जुलकर हल कर लेते हैं, उलझे हुए से ये संवाद अपने। जाँच लेते हैं, घटते-बढ़ते हुए से दिन-रात अपने। खोज लेते हैं, तरीका कोई अनोखा कल्पनाओं की खदानों से। ले आते हैं खींचकर, पुरानी पड़ी हिचकियाँ नम सिसकियाँ खंडहर पड़े मकानों से। **- अनुभूति 'अनु'**

QUIZ TIME

1) महाभारत में बस्तर के अरण्य क्षेत्र को क्या कहा जाता है? (कोसल / कान्तार)

2) बस्तर के कोरापुट क्षेत्र के नल-नाग वंश का संस्थापक कौन हैं?

3) भूमकाल विद्रोह के सूत्रधार कालेन्द्र सिंह कौन थे? (बस्तर राज्य के दीवान / सुकमा के जमींदार)

4) वेद सिरिस, गामस कोसलिया तथा महाराजा महेन्द्रस्थ नाम के मुद्रांक किस उत्खनन से प्राप्त हुए हैं?

5) छत्तीसगढ़ के मंगल पाण्डे कहे जाने वाले ठा. हनुमान सिंह किस रेजीमेंट में मैग्जीन लश्कर के पद पर थे?

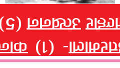

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) कान्तार (2) शिशुक (3) बस्तर राज्य के दीवान (4) मल्हार उत्खनन (5) थर्ड रेगुलर रेजीमेंट

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)।1527- पोप क्लीमेंस सातवें ने सम्राट कैरल प्रथम के साथ समझौता किया। 1688- फ्रांस के राजा लुईस चौदहवें ने नीदरलैंड के खिलाफयुद्ध की घोषणा की। 1703- तूफान में ब्रिटिश नौसेना के 1500 नौसैनिक मरे। 1754- प्रसिद्ध जर्मन लेखक जॉर्ज फॉस्टर का जन्म। 1885- पहली बार उल्कापिंड की तस्वीर ली गयी। 1932- महान क्रिकेटर डॉन ब्रैडमैन ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 10 हजार रन पूरे किये। 1948- नेशनल कैडेट कोर की स्थापना। 1949- आजाद भारत के संविधान पर संविधान सभा के अध्यक्ष ने हस्ताक्षर किये। 1960- देश में पहली बार कानपुर एवं लखनऊ के बीच एसटीडी सेवा शुरु। 2008- मुंबई में हुए आतंकी हमले में 164 लोग मरे। 2012- अरविंद केजरीवाल ने 'आम आदमी पार्टी' का गठन किया। 2014 - प्रसिद्ध इतिहासकार तपन राय चौधरी का निधन।

'पठान' में खतरनाक स्टंट्स करते आएंगी नजर दीपिका!

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड की डिंपल गर्ल दीपिका पादुकोण आने वाली फिल्म 'पठान' में खतरनाक स्टंट्स करती नजर आ सकती हैं।

शाहरुख लंबे समय से फिल्मों से दूर हैं। वर्ष 2018 में प्रदर्शित फिल्म जीरो में शाहरूख अंतिम बार नजर आये थे। वह जल्द ही फिल्म 'पठान' की शूटिंग करेंगे। इस फिल्म में उनके साथ दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम भी अभिनय करते नजर आएंगे। कहा जा रहा है कि दीपिका इस फिल्म में एजेंट का किरदार निभाएंगी, जो शाहरुख के साथ उनके मिशन का हिस्सा होंगी।

कहा जा रहा है कि फिल्म में दीपिका जमकर स्टंट्स करेंगी। इस फिल्म में सलमान खान भी कैमियो करेंगे। फिल्म 'पठान' यशराज बैनर तले बनायी जा रही है। फिल्म की शूटिंग कई देशों में की जाएगी।

नोरा फतेही ने गाया 'दिलबर' का अरेबिक वर्जन

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री-डांसर नोरा फतेही ने 'दिलबर' का अरेबिक वर्जन गाया है, जिसे बेहद पसंद किया जा रहा है। नोरा फतेही अपने जबरदस्त डांस मूव्स की वजह से अकसर सुर्खियों में रहती हैं। उनका एक और वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में नोरा फतेही स्टेज पर 'दिलबर' गाने के अरेबिक वर्जन को गाती नजर आ रही हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि नोरा अपने दोस्तों के साथ मिलकर यह गाना गा रही हैं। नोरा फतेही के इस वीडियो को उनके फैन क्लब ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर शेयर किया है। नोरा फतेही के इस वीडियो में देखा जा सकता है कि नोरा ने सिल्वर कलर का सिमरी आउटफिट पहना हुआ है। डांस के साथ ही नोरा का वीडियो में सिंगिंग टैलेंट भी देखा जा सकता है। नोरा जल्द ही फिल्म 'भुज द प्राइड ऑफ इंडिया' में भी नजर आएंगी।

सलमान-टाइगर को लेकर फिल्म बनायेंगे साजिद नाडियाडवाला!

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड फिल्मकार साजिद नाडियाडवाला दबंग स्टार सलमान खान और टाइगर श्राफ को लेकर फिल्म बना सकते हैं।

साजिद नाडियाडवाला ने सलमान और टाइगर को लेकर कई फिल्में बनायी हैड्ड। टाइगर श्राफ को साजिद नाडियाडवाला ने ही फिल्म इंडस्ट्री में लांच किया था। साजिद इस समय सलमान को लेकर 'किक 2' तथा टाइगर को लेकर 'हीरोपंती 2' और 'बागी 4' प्लान कर रहे हैं। फिल्म की स्क्रिप्ट को अंतिम रूप दिया जा रहा है। बॉलीवुड में चर्चा है कि साजिद एक ऐसी फिल्म की प्लानिंग कर रहे हैं जिसमें सलमान और टाइगर साथ नजर आए। दोनों को लेकर एक्शन फिल्म बनाई जाएगी।

मलयालम फिल्म जल्लीकट्टू को 93वें ऑस्कर अवॉर्ड में मिली एंट्री

नई दिल्ली। भारत की ओर से मलयालम फिल्म 'जल्लीकट्टू' को 93वें ऑस्कर अवार्ड के लिए नॉमिनेट किया गया है। 'जल्लीकट्टू' को बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म कैटेगरी के लिए चुना गया है। भारत की ओर से ऑस्कर में जाने के लिए 'जल्लीकट्टू' के अलावा कई और फिल्में भी रेस में थीं जिसमें शकुंतला देवी, शिकारा, गुंजन सक्सेना, भोंसले, गुलाबो सिताबो, सीरियस मैन, बुलबुल, कामयाब, द पिंक स्काई भी शामिल थीं। मालूम हो कि फिल्म जल्लीकट्टू इंसान और जानवरों के बीच इमोशन को बखूबी दिखाती है। इसका निर्देशन लीजो जोस पेल्लीसेरी ने किया है। पिछले साल टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में इस फिल्म का प्रीमियर हुआ था जिसने वाहवाही लूटी। इसके साथ ही फिल्म के डायरेक्टर पेल्लिसरी ने 50वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल बेस्ट डायरेक्टर की ट्रॉफी जीती थी। बता दें कि पिछले साल जोया अख्तर की फिल्म गली बॉय को ऑस्कर के लिए भेजा गया था।

मां करीना संग मिट्टी के बर्तन बना रहे तैमूर

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर जहां इंडस्ट्री की स्टार हैं वहीं उनके बेटे तैमूर भी किसी सेलीब्रिटी से कम नहीं हैं। करीना अक्सर तैमूर की क्यूट वीडीयोज और फोटोज साझा करती रहती हैं जिनपर फैंस का भी जमकर रिएक्शन आता है।अब करीना ने तैमूर के साथ फोटोज और वीडीयो शेयर किए हैं जिसमें वे उन्हें पॉटरी सीखाती नजर आ रही हैं।

तैमूर और करीना दोनों के हाथ मिट्टी से सने हैं। दोनों ही मिट्टी के बर्तन बनाने की इस कारीगरी में मशरूफ नजर आ रहे हैं। तैमूर भी बड़े शौक से इस काम में सने दिखाई पड़ रहे हैं। दोनों इस वक्त धर्मशाला में सैफ अली खान के साथ वक्त बिता रहे हैं। वे यहां सैफ की अपकमिंग फिल्म भूत पुलिस की शूटींग के लिए पहुंचे हैं। धर्मशाला से ही पिछले दिनों करीना ने मलाइका अरोड़ा और तैमूर के साथ एक फोटो शेयर की थी। तस्वीर में तैमूर मां की गोद में बैठे देखे जा सकते हैं। उनकी इस तस्वीर पर भी यूजर्स ने अपना प्यार दर्शाया था।

इसके अलावा करीना ने तैमूर की एक और फोटो शेयर की थी जो कि इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो गई थी। तैमूर की इस तस्वीर में वे प्रेंच प्राइज दिखाते नजर आ रहे है। करीना के फैंस ही नहीं बल्कि उनके कुछ खास दोस्त अमृता अरोड़ा, मलाइका अरोड़ा और बेबो की बहन करिश्मा कपूर ने भी इस फोटो पर प्यार भरे कमेंटस दिए हैं। गौरतलअ कि करीना अभी प्रेग्नेंट हैं। उन्होंने सोशल मीडीया पर सैफ के साथ अपने आने वाले दूसरे बच्चे का ऐलान किया था। इसके बाद से वे बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए भी फोटोज साझा कर चुकी हैं। बेबी बंप में करीना की तस्वीरें काफी पसंद की गई हैं। घर में मां से हेड मसाज लेते और दोस्तों व परीवार के साथ टाइम स्पेंड करते हुए भी वे नजर आई हैं।

विराट की अनुपस्थिति का नहीं होगा वित्तीय असर : हॉकली

हॉकली ने कहा, यह सीरीज विश्व क्रिकेट और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के लिए बहुत महत्व रखती है। महामारी की विशेषताओं में से एक यह है कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट समुदाय ने एक-दूसरे का कैसे समर्थन किया है। हमने सितंबर में इंग्लैंड की यात्रा की थी और इस दौरे को पूरा करने के लिए हम बीसीसीआई के बहुत आभारी हैं।

सिडनी (वार्ता)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के मुख्य कार्यकारी अध्यक्ष निक हॉकली ने कहा है कि पहले टेस्ट मैच के बाद भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली की गैर-मौजदूगी से क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया पर कोई वित्तीय असर नहीं पड़ेगा।

विराट पहले टेस्ट मुकाबले के बाद अपने पहले बच्चे के जन्म के लिए स्वदेश लौटेंगे और उनकी अनुपस्थिति में अजिंक्या रहाणे टीम की कप्तानी संभालेंगे। विराट दरअसल क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और प्रसारकों के मुख्य केंद्र है क्योंकि 2018-19 में हुई पिछली टेस्ट सीरीज में वह ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के साथ जुबानी जंग को लेकर खूब चर्चा में थे।

हॉकली ने आधिकारिक ब्रॉडकास्टर सोनी की वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ÷पहली बात यह है कि हम विराट और उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा के बच्चे के जन्म के लिए खुश हैं। हम विराट के फैसले और बीसीसीआई का उन्हें छुट्टी देने के निर्णय का सम्मान करते हैं। हमें बस इस बात की खुशी है कि वह वनडे और टी-20 तथा पहले टेस्ट मुकाबले में कप्तानी करने के लिए यहां आएंगे। वह प्रतिस्पर्धी नेतृत्व लाएंगे जिसे हमने पहले देखा है और देखने के आदी हो गए हैं। मुझे नहीं लगता कि उनकी अनुपस्थिति का वित्तीय असर पड़ेगा।÷

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस से सबसे अधिक क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया बोर्ड प्रभावित हुआ है जिसके कारण बोर्ड को मजबूरन कई कर्मचारियों को निकालना पड़ा है और कई कर्मचारियों का वेतन कम करना पड़ा है। ऑस्ट्रेलिया में लम्बे समय के बाद क्रिकेट की गतिविधयां शुरू होने और विशेष रूप से भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के लिए खासा महत्वपूर्ण है।

हॉकली ने कहा, ÷यह सीरीज विश्व क्रिकेट और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के लिए बहुत महत्व रखती है। महामारी की विशेषताओं में से एक यह है कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट समुदाय ने एक-दूसरे का कैसे समर्थन किया है। हमने सितंबर में इंग्लैंड की यात्रा की थी और इस दौरे को पूरा करने के लिए हम बीसीसीआई के बहुत आभारी हैं। हॉकली ने निकट भविष्य में डे नाइट टेस्ट की एक पूरी श्रृंखला की मेजबानी करने की संभावना से इनकार किया लेकिन कहा कि 17-21 दिसंबर को गुलाबी गेंद से टेस्ट मुकाबले ने प्रशंसकों को ध्यान आकर्षित किया है।

रुपया 10 पैसे उछला

मुंबई (वार्ता)। मुनाफावसूली के दबाव में घरेलू शेयर बाजार में आयी जबरदस्त गिरावट के बावजूद दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर के स्थिर रहने से बुधवार को अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 10 पैसे की मजबूती में 73.91 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया।

गत दिवस 10 पैसे की बढ़त में 74.01 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। घरेलू शेयर बाजार की तेजी से समर्थन पाकर रुपया आज तीन पैसे की बढ़त के साथ 73.98 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान रुपया 74.02 रुपये प्रति डॉलर के दिवस के निचले और 73.88 रुपये प्रति डॉलर के दिवस के उच्चतम स्तर के बीच रहा।

अंत में यह गत दिवस की तुलना में 10 पैसे की बढ़त में 73.91 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी नये स्तर पर

मुंबई (वार्ता)। देश के शेयर बाजारों में जोरदार लिवाली समर्थन से नयी उड़ान जारी है और बाम्बे शेयर बाजार (बीएसई) का सेंसेक्स तथा नेशनल स्टाक एक्सचेंज (एनएसई) निफ्टी बुधवार को नयी चोटी पर खुले। बीएसई सेंसेक्स की आज शुरुआत गत दिवस के बंद 44523.02 अंक के मुकाबले 44749.73 अंक पर 226.71 अंक मजबूती में हुई और प्रारंभ में ही 44825.32 तक चढ़ने के बाद फिलहाल 44758.92 अंक पर 235.89 अंक ऊंचा है। निफ्टी भी कारोबार की शुरूआत में कल के 13055.15 अंक की तुलना में 74.85 अंक ऊपर रिकॉर्ड 13130 अंक पर खुला और ऊंचे में 13033.70 अंक चढ़ने के बाद 13122.05 अंक पर 66.90 अंक ऊपर कारोबार कर रहा है। कल भी दोनों सूचकांकों में अच्छी तेजी रही थी।

फिर गिरा सोने का भाव

***नई दिल्ली।** कोरोना वैक्सीन आने की दिशा में तेजी से काम होने की खबरों और शेयर बाजार में तेजी के कारण सोने-चांदी के भाव में आज भी गिरावट जारी है। कल मंगलवार को सोने का भाव 1,329 रुपये गिरा था। आज 10 ग्राम सोने का भाव कल के रेट की तुलना में 170 रुपये गिराव आई। देश भर के सर्राफा बाजार में सोने का भाव 48,805 रुपये रहा। वहीं चांदी का दाम 68 रुपये की गिरावट के साथ 59,636 रुपये पर खुला।*

वर्ल्ड विजन इंडिया का चाइल्ड वेल-बीइंग सूचकांक प्रकाशित

नई दिल्ली (वार्ता)। बाल केंद्रित मानवीय संगठन वर्ल्ड विजन इंडिया ने बुधवार को इंडिया चाइल्ड वेल-बीइंग सूचकांक रिपोर्ट का दूसरा संस्करण प्रकाशित किया। वर्ल्ड विजन इंडिया ने आज यहां जारी विज्ञप्ति में बताया कि यह रिपोर्ट अन्य बाल-केंद्रित निदेशकों पर डाटा देती हैं और नौ आयामों जीवन, शारीरिक सेहत, शारीरिक समग्रता, बौद्धिक, कल्पना, सोच, भावनाएँ, व्यावहारिक कारण, संबद्धता, खेल और व्यक्ति का किसी परिवेश पर नियंत्रण द्वारा विश्लेषण करती है।

World Vision India

इस अवसर पर रिपोर्ट जारी करते हुए देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार कृष्णमूर्ति वी. सुब्रमणियम ने कहा, ÷हमारी सरकार बच्चों के अधिकारों और भलाई के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। बाल विकास को प्राथमिकता देने पर अर्थव्यवस्थाएं बढ़ती हैं। वास्तविक समय संकेतक के एक सेट के साथ जिलों के आंकड़े को ट्रैक करना स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देगा और प्रत्येक जिले को निर्धारित जनादेश प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। मैं सरकारी डाटा का उपयोग करते हुए इस चर्चा को शुरू करने के लिए वर्ल्ड विजन इंडिया को बधाई देता हूं।÷

इस अवसर पर वर्ल्ड विजन इंडिया के मुख्य कार्यकारी और राष्ट्रीय निदेशक माधव बेल्लमकोंडा ने कहा, ÷बाल विकास के शुरुआती दौर में निवेश हमारे बच्चों के बेहतर कल के लिए जरुरी है, खास तौर से ऐसे समय पर जहाँ अनिश्चितता और बढ़ गयी है।

एयरटेल और वेदांतु ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पेश कर लाखों स्कूली बच्चों को किया सशक्त

नई दिल्ली। भारती एयरटेल (एयरटेल) की डीटीएच इकाई एयरटेल डिजिटल टीवी और लाइव ऑनलाइन लर्निंग में अग्रणी वेदांतु ने आज एक अभिनव भागीदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी के अंतर्गत, एयरटेल की व्यापक पहुंच का लाभ उठाते हुए भारत के स्टूडेंट्स तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच मुहैया कराई जाएगी। इस भागीदारी के अंतर्गत दो समर्पित डीटीएच चैनल्स वेदांतु मास्टर क्लासेस एयरटेल डिजिटल टीवी के 17 मिलियन ग्राहकों को 4रुपये प्रतिदिन के बेहद किफायती मूल्य पर एक्सक्लूसिव रूप से उपलब्ध होंगे।यह चैनल्स क्रमशः कक्षा 6 से 10 और कक्षा 11 से 12 के स्टूडेंट्स की जरूरतों को पूरा करेंगे और गणित तथा विज्ञान को कवर करेंगे।

जल्द हटेगी 25 हजार रुपए निकासी की तय सीमा

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने लक्ष्मी विलास बैंक के डेवलपमेंट बैंक इंडिया लिमिटेड के साथ मर्जर की मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि जमाकर्ताओं पर अपनी जमा राशि निकालने के संबंध में कोई और प्रतिबंध नहीं होगा। सरकार ने वित्तीय संकट से गुजर रहे निजी क्षेत्र के लक्ष्मी विलास बैंक पर एक महीने तक के लिए पाबंदियां लगा रखी है। मंत्री प्रकाश जावड़ेकर कहा कि सरकार ने आरबीआई से मैनजमेंट के उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कहा है जो बैंक को इस हालत में लाने के लिए जिम्मेदार हैं।

कैबिनेट के अन्य फैसलों के बारे में प्रकाश जावड़ेकर ने बताया कि मंत्रिमंडलीय समिति ने एटीसी टेलीकॉम कंपनी की करीब 12 प्रतिशत शेयर खरीदने के लिए एटीसी एशिया पैसिफिक के 2,480 करोड़ रुपये के एफडीआई प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने पेश किया नई इनोवा क्रिस्टा

बैंगलोर। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने आज नई इनोवा क्रिस्टा पेश करने की घोषणा की। इसकी एक बोल्ड डिजाइन है और इसमें एमपीवी की व्यावहारिकता है जो इसके अनूठे व्यक्तित्व को बेहतर करता है। नई इनोवा क्रिस्टा में ढेर सारी बेजोड़ खासियतें हैं और एक नया शानदार कनेक्टेड इंफोटेनमेंट सिस्टम भी है।

नई इनोवा क्रिस्टा का बाहरी हिस्सा ज्यादा कूल और मजबूत है। इनमें समलंबाकार पियानो ब्लैक ग्रिल और एक शानदार फ्रंट बंपर है जिसे इस तरह डिजाइन किया गया है कि एक यादगार और अच्छी छवि बने। क्रोम सजावट के साथ बना ग्रिल हेडलैम्प के साथ सहज ढंग से मिल जाता है जबकि सामने के बंपर की इसकी डिजाइन ज्यादा तेज है। डायमंड कट वाले इसके अलॉय व्हील समकालीन लुक देते हैं। यह खूब पसंद किया जाने वाला एमपीवी है और हमेशा ही सबसे सुरक्षित वाहनों में रहा है। अपनी श्रेणी में इसमें सर्वश्रेष्ठ खासियतें हैं जैसे सात एयरबैग, व्हेकिल स्टैबिलिटी कंट्रोल और हिल स्टार्ट असिस्ट। कम जगह में पार्किंग के दौरान टक्कर रोकने के लिए इसमें फ्रंट क्लियरेंस सोनर (एमआईडी डिसप्ले के साथ) से है। इससे सुरक्षा और मजबूत हुई है तथा वाहन चलाने का तनाव मुक्त अनुभव होता है।

आईएसएल

पहला गोल खाने के बाद जमशेदपुर ने पांचवें और सातवें मिनट किया वापसी का प्रयास

चेन्नइयन ने जमशेदपुर को 2-1 से हराया

वास्को (वार्ता)। दो बार के चैम्पियन चेन्नइयन एफसी ने हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें सीजन का विजयी आगाज करते हुए मंगलवार को वास्को डि गामा के तिलक मैदान में जमशेदपुर एफसी को 2-1 से हरा दिया।

मैच के तीनों गोल पहले हाफ में हुए। दो गोल चेन्नई के खाते में गए जबकि एक गोल जमशेदपुर ने किया। चेन्नई के लिए अनिरुद्ध थापा ने पहले मिनट में गोल करते हुए इस सीजन का सबसे तेज गोल किया। इसके बाद 25वें मिनट में इसाक वैनमालसावमा ने बॉक्स के अंदर लालियानजुआला चांग्ते को गिरा दिया। इस पर रेफरी ने पेनल्टी दे दी। इसी पेनल्टी पर इस्माइल गोंकान्वेस उर्फ इस्मा ने 26वें मिनट में गोल करते हुए स्कोर चेन्नई के पक्ष में 2-0 कर दिया। इसके बाद नेरिजुस वाल्सकिस ने 37वें मिनट में गोल कर जमशेदपुर की वापसी कराई। वाल्सकिस ने यह संजीवनी सरीखा गोल जैकीचंद सिंह के शानदार क्रास पास पर किया। लेकिन जमशेदपुर इसके बाद बराबरी का गोल नहीं कर पायी। पहला गोल खाने के बाद जमशेदपुर ने पांचवें और सातवें मिनट में अच्छा मूव बनाया था लेकिन उसे सफलता नहीं मिली। बदले में चेन्नई ने 10वें मिनट में एक बड़ा मौका बनाया लेकिन जमशेदपुर के गोलकीपर टीपी रेहेनेश ने उसे बेकार कर दिया। रेहेनेश ने 20वें मिनट में भी चांग्ते के एक प्रयास को बेकार किया लेकिन वह 26वें मिनट में पेनल्टी पर अपनी टीम को दूसरा गोल खाने से नहीं बचा सके। इसके बाद दोनों टीमों के बीच गेंद पर नियंत्रण बनाने के लिए कड़ी टक्कर हुई लेकिन गोल दागने का मौका किसी और को नहीं मिला और मैच दूसरे हाफ में पूरी तरह खुले तौर पर चला गया।

जमशेदपुर ने दूसरे हाफ में आने के साथ ही पहला बदलाव किया। जीतेंद्र सिंह के स्थान पर निकोलस फ्ट्जगेराल्ड मैदान पर आए जबकि रेहेनेश ने पहले हाफ में कई मौकों पर चेन्नई को रोका और उनके लिए दूसरे हाफ की शुरुआत भी ऐसी ही रही। चेन्नई ने लेफ्ट फ्लैंक से शानदार हमला किया जिसे रेहेनेश ने नाकाम कर दिया। रेहेनेश ने 58वें मिनट में भी चेन्नई के एक हमले को नाकाम किया। 62वें मिनट में चेन्नई के जाकुब सिल्वेस्टर को बॉक्स में गिरा दिया गया। पेनल्टी की मांग की गई लेकिन रेफरी ने उसे नकार दिया। इसके दो मिनट बाद जमशेदपुर को बराबरी का गोल करने का शानदार मौका मिला लेकिन बेहतरीन फ्रीकिक पर स्टीफन एज का हेडर दिशाहीन हो गया।

इसी तरह का एक मौका 68वें मिनट में आया जब जमशेदपुर टीम चेन्नई के गोलकीपर विशाल कैथ की गलती का फायदा नहीं उठा सकी। इसी मिनट में चेन्नई के टांगरी को पीला कार्ड मिला। जवाब में चेन्नई में 73वें मिनट में अच्छा हमला किया लेकिन रेहेनेश एक बार फिर संकटमोचक साबित हुए। इसके बाद अगले 10 मिनट तक चेन्नई ने कई अच्छे मूव बनाए लेकिन जमशेदपुर के डिफेंस ने उन्हे नाकाम कर दिया। इंजरी टाइम में जमशेदपुर को बराबरी के गोल का मौका मिला लेकिन वाल्सकिस इस मौके को भुना नहीं सके।

आईसीसी के नए चेयरमैन चुने गए ग्रेग बार्कले

दुबई (वार्ता)। पेशे से वकील और न्यूजीलैंड क्रिकेट में 2012 से निदेशक चले आ रहे ग्रेग बार्कले को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का नया चेयरमैन चुन लिया गया है। बार्कले आईसीसी के दूसरे स्वतंत्र चेयरमैन के रूप में भारत के शशांक मनोहर की जगह लेंगे।

बार्कले आईसीसी बोर्ड में न्यूजीलैंड क्रिकेट के प्रतिनिधि हैं लेकिन अब वह अपनी इस भूमिका से हट जाएंगे और उस्मान ख्वाजा की जगह लेंगे। ख्वाजा को जुलाई में मनोहर का दो साल का कार्यकाल समाप्त होने के बाद अंतरिम चेयरमैन बनाया गया था।

बार्कले 2015 में आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप में निदेशक थे। वह पूर्व बोर्ड सदस्य और नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष हैं। वह अनुभवी कंपनी निदेशक भी हैं जिन्होंने क्रिकेट न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया की विभिन्न कंपनियों के बोर्ड में पद संभाल रखे हैं।

आईसीसी चेयरमैन चुने जाने के बाद बार्कले ने कहा, ÷आईसीसी का चेयरमैन चुना जाना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है। मैं आईसीसी के साथी निदेशकों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं उम्मीद करता हूं कि कोरोना की इस वैश्विक महामारी के समय में हम मिलजुल कर काम करेंगे और इस संकट के समय में मजबूत होकर बाहर निकलेंगे। बार्कले ने कहा, ÷मैं सभी सदस्यों के साथ मिलकर काम करना चाहता हूं ताकि हम इस खेल को मजबूत कर सकें और इस खेल का दुनिया में विस्तार कर सकें। मैं आईसीसी के 104 सदस्यों के साथ काम करने के लिए तैयार हूं ताकि इस खेल का भविष्य सुरक्षित रह सके।

उन्होंने विशेष रूप से अंतरिम चेयरमैन रहे ख्वाजा को इस संकट के समय में नेतृत्व संभालने के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि वह भविष्य में ख्वाजा के साथ मिलकर काम करते रहना चाहेंगे।

भाजपा नवागढ़ मण्डल की बैठक आज

नवागढ़। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर अखिल भारतीय मण्डल स्तरीय प्रशिक्षण योजना के तहत जिले के सभी मंडलो में प्रशिक्षण शिविर आयोजन की तैयारियों के सम्बंध में भाजपा नवागढ़ मण्डल की बैठक 26 नवम्बर गुरुवार को दोपहर 2 बजे माँ महामाया मन्दिर परिसर नवागढ़ में आयोजित की गई है। जिसमें बैठक के प्रभारी के रूप में भाजपा जिला महामंत्री विकास धर दीवान एवं जिला उपाध्यक्ष फिरतु राम साहू उपस्थित रहेंगें। उपरोक्त जानकारी देते हुए चन्द्रपाल साहू मण्डल अध्यक्ष, मिन्टू बिसेन मण्डल महामंत्री एवं सुरेश साहू मण्डल महामंत्री ने अपील किया कि बैठक में नवागढ़ मण्डल से सम्बंधित प्रदेश/जिला/मण्डल/शक्ति केंद्र/बूथ पदाधिकारी, जिला पंचायत/जनपद पंचायत/नगर पंचायत/ग्राम पंचायत जनप्रतिनिधिगण, सभी मोर्चाओ के पदाधिकारी एवं वरिष्ठ नेताओं सहित समस्त कार्यकर्ताओं की उपस्थिति अपेक्षित है।

करंट से मवेशी की मौत

महासमुंद। पिथौरा थाना क्षेत्र में करंट से एक मवेशी की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक मंगलवार को पिथौरा थाना क्षेत्र के ग्राम लहरौद के डीपापारा स्थित कान्हा राईस मिल के पास लगे टांसफार्मर के पास चर रहा मवेशी करंट की चपेट में आ गया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की वजह विद्युत विभाग की लापरवाही को बताया जा रहा है।

मोटर साइकिल चोरी

महासमुंद। सरायपाली के वार्ड 7 में घर के बाहर खड़ी बाइक अज्ञात ने पार कर दी। जानकारी के मुताबिक करमू जायसवाल पिता पुनीत (25) ने पुलिस को बताया है कि बाइक क्रमांक सीजी 12 एजी 3381 कीमती करीब 25 हजार रुपए सीता सतपथी के घर के बाहर खड़ी की थी जिसे अज्ञात ने पार कर दी। शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ379 के तहत जुर्म दर्ज कर जांच में लिया है।

महिला से मारपीट, शिकायत

महासमुंद। फसल चराने की बात पर दो महिलाओं में विवाद हो गया। मामला कोमाखान थाना क्षेत्र के ग्राम खट्टाडीह का है। श्रीमती गणेशी बाई ठाकुर ने पुलिस को बताया है कि श्रीमती केशर बाई साहू के लड़के ने उसके खेत में लगी धान की फसल को मवेशियों से चराने की बात कहने पर उसके साथ मारपीट की। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफजुर्म दर्ज कर जांच में लिया है।

दुकान से डीजल बरामद

महासमुंद। बिक्री के लिए भारी मात्रा में डीजल रखने के मामले में पुलिस ने एक युवक को पकड़ा। जानकारी के मुताबिक ग्राम पड़कीपाली निवासी जगदीश धीवर (23) ने अपनी दुकान में बिक्री के लिए करीब 250 लीटर डीजल कीमत 19420 को रखा था। पुलिस ने युवक के खिलाफधारा 285 के तहत जुर्म दर्ज कर जांच में लिया है।

20 लीटर महुआ शराब जब्त, गिरफ्तार

महासमुंद। सांकरा पुलिस ने गुरुवार को सावित्रीपुर निवासी उसतराम लहरे के कब्जे से करीब 20 लीटर महुआ शराब कीमती 4000 रुपये जब्त कर धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की। आरोपी को ज्यूडिशियल रिमांड पर भेजा गया।

रेप के मामले का हुआ खुलासा

कवर्धा(नवप्रदेश) पीड़िता बालिका की रिपोर्ट पर थाना कवर्धा में अपराध क्रमांक 701/20 धारा 341,342,323,376 डी भादवि एवं 04,06 पाक्सो एक्ट कायम कर विवेचना में लिया गया तथा मामले के संबंध में थाना प्रभारी कवर्धा निरीक्षक मुकेश यादव द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराये जाने पर मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल शलभ कुमार सिन्हा, पुलिस अधीक्षक कबीरधाम, अनिल कुमार सोनी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कबीरधाम, बी.आर. मण्डावी उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय, नरेन्द्र कुमार बेंताल पुलिस अनुविभागीय अधिकारी पण्डरिया तथा प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक नेहा पवार द्वारा थाना आकर मामले के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त किया गया। घटनास्थल जाकर मौका मुआयना कर अज्ञात आरोपियों की अतिशीघ्र पतासाजी किये जाने हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार के नेतृत्व में जिला इकाई के थाना प्रभारियों एवं अन्य स्टाफ की टीम बनाया गया। गठित टीम द्वारा अलग-अलग पहलुओ में जांच प्रारंभ किया गया। जिसमें आरोपियों के बताये गये हुलिया के अनुसार पतासाजी, मोबाईल नंबर एवं टावर डम्प का तकनीकी विश्लेषण, अज्ञात आरोपियों की स्कैचिंग, घटनास्थल एवं बताये गये ट्रेक का सीसीटीव्ही फुटेज प्राप्त कर विश्लेषण, पूर्व सजायाबोध्बदमाशों /संदेहियों की गतिविधियों पर निगरानी करना इत्यादि शामिल रहा। विवेचना क्रम में पीड़िता के साथ आये हुए, पीड़िता के मित्र से पुछताछ करने पर पीड़िता एवं उसके मित्र के द्वारा बताये गये घटनाक्रम में विरोधाभास पाया गया। मामला संदिग्ध प्रतीत होने पर पीडिता के मित्र से और बारिकी से पुछताछ किया गया तथा क्राईम सीन रिक्रियेशन किया गया। पुछताछ पर पीड़िता के मित्र ने प्रकरण में स्वयं की सलिप्तता स्वीकार करते हुए स्वंय के द्वारा पीड़िता के साथ दुष्कर्म करने तथा पीड़िता के साथ किसी प्रकार अज्ञात 04 लड़को के द्वारा सामुहिक दुष्कर्म नहीं होने की बात बताया। पीड़िता के मित्र ने बताया कि उसके द्वारा ही पीड़िता को पुराने जान-पहचान होने एवं प्रेम-प्रसंग के कारण कॉलेज ग्राउंड में लाकर जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाया गया। देर रात होने एवं पीड़िता के परिवार वालो के भय के कारण पीड़िता ने अपने मित्र को मैं अब घर नहीं जाऊंगी, मॉ बाप मुझं डांट फटकार करेगे तुम मुझे अपने साथ ले चलने की बात कही। तब पीड़िता के मित्र ने पीड़िता को बहला फुसलाकर किसी अज्ञात 04 व्यक्तियों द्वारा पीडिता के साथ बलात्कार करने की योजना बनाया।

50 पाव देशी मसाला शराब के साथ 2 पकड़ाए, मोटरसायकल भी जब्त

भाटापारा। 50 पाव देशी शराब के साथ शहर पुलिस ने 2 युवको को पकड़ा है और उनकी मोटर सायकल भी जब्त कर उनके खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की है। उपरोक्त सम्बन्ध में शहर थाना से मिली जानकारी अनुसार पुलिस अधीक्षक आई.के.एलेसेला के द्वारा अवैध शराब जुआ , सट्टा के विरूद्ध कार्यवाही करने हेतु कडे निर्देश दिये गये थे जिस पर श्रीमति निवेदिता पाल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बलौदाबाजार व श्री के 0 बी 0 द्विवेदी एसडीओपी भाटापारा के निर्देशन पर थाना प्रभारी थाना भाटापारा शहर प्रशिक्षु ढ्क्क- जितेन्द्र कुमार यादव के कुशल नेतृत्व में धर पकड कार्यवाही हेतु थाना स्टाप व मुखबीर को निर्देश दिये गया था।मुखबीर से सूचना के बाद पुलिस ने एक मो0सा0 पैशन प्रो0 क्रमांक छ्त्त 22 च 3444 में दो व्यक्ति को अधिक मात्रा में शराब लेकर परिवहन करते तरेंगा रोड तरफ जा रहे है उन्हें मारूती शो रूम के पास पहुंच कर घेरा बंदी कर उन्हें रोक कर पूछा गया जिसमें राहुल ध्रुव वाहन चलाते व पिछे बैठे गोविन्दा यादव से एक सफेद रंग की प्लास्टिक बोरी रखा मिला जिसमें 50 पौवा शराब रखे मिला आरोपी गण गोविंदा यादव राहूल ध्रुव को उक्त शराब रखने के अपराध में उनके खिलाफ धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की है,उक्त कार्यवाही मे उप निरीक्षक हितेश जंघेल,सउनि नेतराम पटेल,प्रआर मंगल दास घृतलहरे,आरक्षक कुबेर वर्मा का विशेष योगदान रहा है

सांसद सुनील सोनी ने किया भूमि पूजन

भाटापारा। गांधी मंदिर वार्ड में लोकोत्सव मैदान के पीछे सांसद निधि से बनने वाली सामुदायिक भवन का भूमि पूजन *क्षेत्रीय सांसद सुनील सोनी व विधायक शिवरतन शर्मा के करकमलों से संपन्न हुआ। इस अवसर पर उपस्थित लोगो को संबोधित करते हुए सांसद सुनील सोनी ने कहा कि मोदी जी की केन्द्र सरकार लगातार प्रदेश में विकास कार्य कराना चाहती है मगर सत्ता के मद में चूर प्रदेश की भूपेश सरकार केन्द्र की योजनाओं की अनदेखी कर जनता के हितों को मार रही है। हम केन्द्र से करोडों रुपये विकास कार्य के लिए लाते हैं मगर प्रदेश सरकार के निकम्मे पन के कारण रुपया वापस हो जाता है और जनता योजनाओं का लाभ लेने से वंचित हो जाती है। मोदी जी ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 2025 तक सभी कच्चे मकानों को पक्का करने का लक्ष्य निर्धारित किया है लेकिन प्रदेश में भूपेश सरकार अपना हिस्सा नही दे रही है जिससे कच्चे मकान में रहने वाले गरीब जनता केन्द्र के योजना के लाभ से वंचित हो रहा हैं। विधायक शिवरतन शर्मा ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव के समय कांग्रेस पार्टी ने हाथ में गंगाजल लेकर कसम खाई थी कि हमारी सरकार बनते ही प्रदेश में शराब बंदी करेंगे मगर अपने वादे के विपरीत भूपेश सरकार घर घर आनलाइन शराब बंटवाने का काम कर रही जिस कार्य में प्रदेश के पढ़े लिखे युवाओं को लगा उनके भविष्य से खिलवाड़ कर रही है। भूपेश सरकार चुनाव के समय किये गये अपने एक भी वादे को पूरा नही कर रही है यह सीधे साधे जनता के साथ धोखा है।

भटकती हुई अर्ध विक्षिप्त महिला को परिजनों से मिलाया

कवर्धा(नवप्रदेश)। थाना चिल्फी द्वारा लगातार अपराध पर अंकुश लगाते हुवे मानवीय पहलुओं को ध्यान में रखकर कार्य किया जा रहा है । चिल्फी पुलिस द्वारा अपराध नियंत्रण के साथ साथ अपनी सामाजिक एवं मानवीय दायित्व को पूरा करते हुए अर्ध विक्षिप्त रूप से हाईवे चिल्फी ग्राम में घूम रही एक 27 वर्षिय महिला की सूचना मिलने पर तत्काल चिल्फी थाना स्टाप द्वारा महिला के पास पहुंच कर महिला आरक्षक द्वारा विधि सम्मत सवेदनशीलता से पुक्षताल किया गया । महिला के द्वारा टूटे फूटे भाषा में मोतीनाला मध्यप्रदेश की ओर से आना बताया । जिस पर उसकी फोटो लेकर मोतिनाला, बिक्षिया (मध्यप्रदेश) थाना से संपर्क कर पतासाजी किया गया । जिसमे महिला मोटीनाला थाना क्षेत्र की रहना पता चला । जिसे पुलिस अधीक्षक महोदय कबीरधाम से दिशानिर्देश प्राप्त कर टीम गठित करके मोतिनाला गृह ग्राम वाहन से रवाना कर परिजनों के सुपुर्द किया गया । उक्त कार्य मे चिल्फी थाना स्टाप व डायल 112 का महत्वपूर्ण योगदान था ।

विद्यार्थियों का आंकलन हुआ सुरखी स्कूल में

भाटापारा :- छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रारंभ की गई अति महत्वकांक्षी योजना पढ़ाई तुंहर दुआर के अंतर्गत विद्यार्थियों के ऑनलाइन ऑफलाइन अध्यापन के पश्चात आकलन की प्रक्रिया विगत सितंबर माह से प्रारंभ की गई है। जिसके अंतर्गत माह अक्टूबर में विद्यार्थियों के ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेने वाले विद्यार्थियों का आकलन एवं ऑफलाइन कक्षा में विद्यार्थियों का आकलन अलग-अलग विधियों से किया गया था। उसी प्रकार माह नवंबर का आकलन शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सुरखी में इस सप्ताह आयोजित किया गया।

न्यायालय तहसीलदार आरंग के न्यायालय में मामला क्रमांक 202011112500017

विषय-अ-6 मामले की श्रेणी-राजस्व सन् 2020-21
गुल्लू प.ह.नं. 00053(1188(0.1600हे.)
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार - श्रीमती रामकली जांगड़े
अनावेदक पक्षकार - पीलाबाई

ईश्तहार

प.ह.नं. 53 ग्राम गुल्लू तह. आरंग जिला रायपुर छ.ग.

आवेदिका श्रीमती रामकली जांगड़े पति जगदीश जांगड़े निवासी ग्राम पिरदा पो. जी.एस.आई. संकरी तह. व जिला रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर ग्राम गुल्लू प.ह.नं. 53 तह. आरंग स्थित भूमि ख.नं. 1188 रकबा 0.16 हे. भूमि विक्रेता खातेदार पीलाबाई बेवा सोनउ के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूमि को पंजीकृत बैनामा रजिस्ट्री दिनांक 19.03.2008 ग्रंथ क्र. 1010 के माध्यम से हस्तांतरण के आधार पर उक्त भूमि को क्रेता आवेदिका अपने नाम पर नामांतरण किए जाने की मांग किया है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को दावा/आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनांक 27.11.2020 तक आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पद मुद्रा से आज दिनांक 12/11/2020 को जारी किया जाता हैं।

NARENDRA BANJARA
सील तहसीलदार
आरंग

प्रथम पृष्ठ का शेष...

नहीं रहे कांग्रेस के...

बुधवार सुबह करीब 3.30 बजे अहमद पटेल का निधन हो गया। गुरुवार सुबह करीब नौ बजे गुजरात के भरुच स्थित उनके पैतृक गांव पीरामन में ही उन्हें सुपुर्द ए खाक किया जाएगा। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित विभिन्न दलों के नेताओं ने पटेल के निधन पर दुख व्यक्त किया है। बघेल ने अहमद पटेल के परिवारजनों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है।

कोरोना पर केंद्र की...

परिस्थिति के आकलन के आधार पर कोविड-19 को रोकने के संदर्भ में स्थानीय प्रतिबंधों को लागू कर सकती है, जिसमें नाइट कर्फ्यू शामिल हैं। हालांकि, केंद्र सरकार के परामर्श के बिना कंटेनमेंट जोन के अलावा स्थानीय क्षेत्रों में लॉकडाउन नहीं कर सकते हैं। स्थानीय जिला, पुलिस और नगर निगम के अधिकारी यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होंगे कि निर्धारित रोकथाम उपायों का कड़ाई से पालन किया जाए।

जून में हुई थी अनलॉक 1.0 की घोषणा: केंद्र ने मार्च में कोरोना माहमारी के प्रसार को रोकने के लिए देशव्यापी लॉकडाउन लगाया था। जब संक्रमण अपने चरम पर था। इसके बाद जून में अनलॉक 1.0 की घोषणा की गई थी, जिसके कारण रेस्तरां, शॉपिंग मॉल आदि खुल गए थे, तब से सरकार अर्थव्यवस्था को धीरे-धीरे कर खोल रही है।

कंटेनमेंट जोन में होगी सख्ती: दिशा निर्देशों में इस बात पर जोर दिया गया है कि कोरोना के खिलाफ अभियान में अब तक देश ने जो सफलता हासिल की है उसे बरकरार रखते हुए इसे और मजबूत बनाने के लिए कदम उठाए जाएं। इनमें कहा गया है कि कंटेनमेंट जोन में सभी दिशानिर्देशों को पूरी तरह से लागू किया जाए और वहां केवल अनिवार्य सेवाओं की गतिविधि की ही अनुमति दी जानी चाहिए। कंटेनमेंट जोन के बाहर जाने और उनमें अंदर आने पर भी पूरी तरह से रोक लगाने को कहा गया है।

भीड़भाड़ वाले इलाकों पर फोकस: भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में भी विशेष एहतियात बरतने को कहा गया है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा गया है कि वे त्योहारों और सर्दी के मौसम को देखते हुए विशेष सावधानी बरतें तथा जिला, स्थानीय प्रशासन, नगर निगम और पुलिस को गृह मंत्रालय तथा केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के दिशानिर्देशों और मानक संचालन प्रक्रिया को लागू करने के प्रति जवाबदेह बनाए। साथ ही अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए भी कहा गया है। दिशानिर्देशों में राज्य सरकारों से सामाजिक और धार्मिक समारोह में शामिल होने वाले लोगों की संख्या सौ तक सीमित रखने और जरूरत पड़ने पर इससे भी कम करने को कहा गया है।

तूफान निवार का असर...

चंद्रा के मुताबिक प्रदेश में उत्तरी हवाओं का दौर शुरू हो गया था लेकिन बुधवार को पूर्वी हवा शुरू हो गई। जिससे न्यूनतम तापमान बढ़ गया है। बकौल चंद्रा निवार के असर से ओडिशा में भी कुछ असर दिखाई देगा। ओडिशा में दक्षिण पूर्व से नमी युक्त व गर्म हवाएं आएंगी। इसी वजह से छत्तीसगढ़ में भी बस्तर में मौसम का मिजाज ज्यादा बदला हुआ होगा।

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी कवर्धा, जिला कबीरधाम छ.ग.

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202010080800020
अ-2 वर्ष 2019-20,
क्र. 364/अ.वि.द./प्रवा-2/20120
कवर्धा, दिनांक 12/10/2020

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि विषयांतर्गत लेख है कि आवेदक टीकाराम साहू पिता नारायण साहू साकिन मथानीकला द्वारा अपनी भूमि स्वामी हक की भूमि ग्राम मथानीकला ख.नं. 380/4 रकबा 0.146 हेक्टेयर भूमि को औद्योगिक प्रयोजन (फ्लाई एस बिक्स) में व्यपवर्तन हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अपने अभिकर्ता के माध्यम से पेशी तिथि 26.10.2020 के सायं पांच बजे तक प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात की गई आपत्ति पर सुनवाई नहीं की जावेगी। आज दिनांक को मेरे हस्ताक्षर, सील मुहर से जारी किया गया।

दिनांक 12.10.2020

सील अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
कवर्धा, जिला कबीरधाम छ.ग.

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी कवर्धा, जिला कबीरधाम छ.ग.

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202010080800050
अ-2 वर्ष 2019-20,
क्र. 371/अ.वि.द./प्रवा-2/20120
कवर्धा, दिनांक 13/10/2020

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि विषयांतर्गत लेख है कि आवेदक ईश्वर पटेल पिता कन्हैया लाल पटेल साकिन जरहाटोला द्वारा अपनी भूमि स्वामी हक की भूमि ग्राम जरहाटोला ख.नं. 254/1, 253/4 रकबा क्रमशः 0.041, 0.045 हेक्टेयर कुल रकबा 0.086 हेक्टेयर भूमि को व्यवसायिक प्रयोजन में व्यपवर्तन हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अपने अभिकर्ता के माध्यम से पेशी तिथि 27.10.2020 के सायं पांच बजे तक प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात की गई आपत्ति पर सुनवाई नहीं की जावेगी। आज दिनांक को मेरे हस्ताक्षर, सील मुहर से जारी किया गया।

दिनांक 13.10.2020

सील अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
कवर्धा, जिला कबीरधाम छ.ग.

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं सक्षम प्राधिकारी आरंग, जिला- रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202011112400054
अ/2 वर्ष 2020-21

एतद् द्वारा सर्वसंबंधितों को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री महेश कुमार दम्मानी पिता मोहनलाल दम्मानी निवासी रायपुर द्वारा ग्राम बाहानाकाड़ी प.ह.नं. 14, में स्थित भूमि खसरा 701 का रकबा 0.1400 हे. का व्यपवर्तन/ पुर्ननिर्धारण किए जाने बाबत आवेदन प्रस्तुत किया गया है। वादभूमि आवेदक के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदक द्वारा वादभूमि का रकबा 0.01400 हे. भूमि का पुर्ननिर्धारण व्यवपर्तन वाणिज्यिक प्रयोजन में करने का निवेदन किया है। उक्त संबंध में किसी को दावा या आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे स्वतः या अपने अधिवक्ता के माध्यम से नियत तिथि दिनांक 05/12/2020 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत अवधि के पश्चात प्रस्तुत दावा आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 24/11/2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुहर से जारी किया गया है।

सील सक्षम प्राधिकारी एवं
अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
आरंग, जिला-रायपुर छ.ग.

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी राजनांदगांव वनमण्डल राजनांदगांव (छ.ग.)

दूरभाष क्र. कार्यालय (07744) 225059, फैक्स (07744) 225293, निवास (07744) 226389
E-mail Address- rajnandgaondfo@gmail.com

ज्ञापन क्रमांक/स्टोर ... राजनांदगांव, दिनांक ....

प्रति,

संक्षिप्त निविदा सूचना

राजनांदगांव वनमण्डल के अंतर्गत वर्ष 2020-21 हेतु विभिन्न सामग्री क्रय हेतु निम्नानुसार निविदा आमंत्रित की जाती है :-

प्रथम तिथि	द्वितीय तिथि	तृतीय तिथि
14.12.2020	21.12.2020	24.12.2020

निविदा प्रपत्र सामग्री की सूची, शर्तें अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से निविदा के पूर्व दिनांक 13.12.2020, 20.12.2020, 23.12.2020 सायं 5.30 बजे तक कार्यालयीन दिवस में 1000/- रुपए जमा कर क्रय किया जा सकता है।

निविदा प्रपत्र जमा करने का समय दोपहर 1.00 बजे तक एवं निविदा खोले जाने का समय 2.30 बजे से अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में संपन्न होगा।

वनमंडल अधिकारी,
राजनांदगांव वनमंडल राजनांदगांव

जी-85159/3

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग, रायपुर संभाग क्र.-1, रायपुर

मैनुअल पद्धति से निविदा आमंत्रण सूचना

विज्ञप्ति क्रमांक 7147/एन.आई.टी.-36/टी.सी./20-21 रायपुर, दिनांक 24/11/2020

कार्य का विवरण	अनुमानित राशि (लाखों में)
Condtruction of 3 Nos Extra Class Room 2nd Floor Hight Secondary School at Santoshi Nagar Raipur CG	18.30
S/R, MOW work and Small Deposit Works at Circuit House Section (Sale Tex Office Building & PWD Colony at Civil Line) under Sub Dn. No.-1 Raipur	10.00
S/R, MOW Works and Small Drposit Works at Circuit House Section (GAD, JUDGES and PHQ Campus at Civil Line) under Sub Dn. No.-1 Raipur	10.00
P.U. Polishing Enamel Painting and Luxury Plastic Emulsion Painting for New Circuit House Civil Line under PWD Sub Dn. No.-1 Raipur	5.00
S/R, MOW Works and Small Deposit Works at under PWD Sub Dn. No.-1 Raipur	19.99

निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि - 14.12.2020

2. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Time के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग संभाग क्र.-1
रायपुर

जी-85171/4

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

नगर पालिक निगम नवीन मुख्यालय भवन, गांधी चौक, रायपुर के पास
फोन : 0771-25355780, फैक्स:0771-227395
ई मेल : dcrmc@reddiffmail.com

ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना

नामांतरण प्र.क्र. 55/2020-21
वार्ड का नाम- पं. जवाहरलाल नेहरू-02

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि पं. जवाहरलाल नेहरू-02 स्थित मकान/ भूमि प्लाट नं.-10 हर्षित नगर जो कि निगम अभिलेख में स्नेहलता मसीह D/o स्व. सुशील मसीह के नाम से दर्ज है, जिसको श्री सुंदरलाल अग्रवाल s/o स्व. बल्ली प्रसाद अग्रवाल वगैरह ने रजिस्ट्री/ लिखित द्वारा/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

जोन आयुक्त
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

नगर पालिक निगम नवीन मुख्यालय भवन, गांधी चौक, रायपुर के पास
फोन : 0771-25355780, फैक्स:0771-227395
ई मेल : dcrmc@reddiffmail.com

ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना

नामांतरण प्र.क्र. 51/2020-21
वार्ड का नाम- शहीद भगतसिंह-21

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि शहीद भगत सिंह-21 स्थित मकान/ भूमि फारच्युन बिल्डकॉन भू.क्र. 69 खसरा नं. 83/10 के भाग जो कि निगम अभिलेख में फारच्युन बिल्डकॉन भागी. संस्था द्वारा राजीव अग्रवाल s/o बिमल कुमार अग्रवाल के नाम से दर्ज है, जिसको श्रीमती निशि शर्मा w/o स्व. श्री अजय कुमार शर्मा ने रजिस्ट्री/ लिखित द्वारा/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

जोन आयुक्त
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

नगर पालिक निगम नवीन मुख्यालय भवन, गांधी चौक, रायपुर के पास
फोन : 0771-25355780, फैक्स:0771-227395
ई मेल : dcrmc@reddiffmail.com

ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना

नामांतरण प्र.क्र. 56/2020-21
वार्ड का नाम- पं. जवाहरलाल नेहरू-02

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि पं. जवाहरलाल नेहरू-02 स्थित मकान/ भूमि MIG-Delux-125 फेस-1 कबीर नगर जो कि निगम अभिलेख में श्री जयप्रकाश मिश्रा s/o स्व. श्री दुकालू प्रसाद मिश्रा के नाम से दर्ज है, जिसको श्रीमती आशा शर्मा w/o श्री कमलकिशोर शर्मा ने रजिस्ट्री/ लिखित द्वारा/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

जोन आयुक्त
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर

गुमा

मैं कुमारी भारती श्रीवास पिता सनत कुमार श्रीवास उम्र 28 वर्ष निवासी- चिखलकसा (छ.ग.) यह कि कुमारी भारती श्रीवास के कक्षा 10वीं, 12वीं, बी नर्सिंग, जाति प्रमाण पत्र, रजिस्ट्रेशन एवं अन्य प्रमाण पत्र दिनांक 01.02.2020 को कहीं गुम हो गई है। जिस किसी व्यक्ति को मिले कृपया उक्त पते पर सूचित करें।

कुमारी भारती श्रीवास
चिखलकसा (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं सक्षम प्राधिकारी आरंग, जिला- रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202011112400060
अ/2 वर्ष 2020-21

एतद् द्वारा सर्वसंबंधितों को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती कुमारी बाई वर्मा पति शेषनारायण वर्मा निवासी रायपुर द्वारा ग्राम नरदहा, प.ह.नं. 01 में स्थित भूमि खसरा 1453/3 का रकबा 0.05 हे. अर्थात 3195 वर्गफुट भूमि का व्यपवर्तन/ पुर्ननिर्धारण किए जाने बाबत आवेदन प्रस्तुत किया गया है। वादभूमि आवेदक के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदक द्वारा वादभूमि का 0.05 हे. अर्थात 3195 वर्गफुट भूमि का पुर्ननिर्धारण व्यवपर्तन आवासीय प्रयोजन में करने का निवेदन किया है। उक्त संबंध में किसी को दावा या आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे स्वतः या अपने अधिवक्ता के माध्यम से नियत तिथि दिनांक 08/12/2020 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत अवधि के पश्चात प्रस्तुत दावा आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 25/11/2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुहर से जारी किया गया है।

सील सक्षम प्राधिकारी एवं
अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
आरंग, जिला-रायपुर छ.ग.

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं सक्षम प्राधिकारी आरंग, जिला- रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202011112400061
अ/2 वर्ष 2020-21

एतद् द्वारा सर्वसंबंधितों को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती निर्मला जंघेल पति श्री पुषण जंघेल निवासी रायपुर द्वारा ग्राम नरदहा, प.ह.नं. 01 में स्थित भूमि खसरा 1453/6 का रकबा 0.02 हे. अर्थात 2205 वर्गफुट भूमि का व्यपवर्तन/ पुर्ननिर्धारण किए जाने बाबत आवेदन प्रस्तुत किया गया है। वादभूमि आवेदक के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदक द्वारा वादभूमि का 0.02 हे. अर्थात 2205 वर्गफुट भूमि का पुर्ननिर्धारण व्यवपर्तन आवासीय प्रयोजन में करने का निवेदन किया है। उक्त संबंध में किसी को दावा या आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे स्वतः या अपने अधिवक्ता के माध्यम से नियत तिथि दिनांक 08/12/2020 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत अवधि के पश्चात प्रस्तुत दावा आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 25/11/2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुहर से जारी किया गया है।

सील सक्षम प्राधिकारी एवं
अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
आरंग, जिला-रायपुर छ.ग.

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं सक्षम प्राधिकारी आरंग, जिला- रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202011112400059
अ/2 वर्ष 2020-21

एतद् द्वारा सर्वसंबंधितों को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री अनिल कुमार पिता श्री बलीराम द्वारा ग्राम नरदहा, प.ह.नं. 01 में स्थित भूमि खसरा 479/2 का रकबा 0.014 हे. अर्थात 1500 वर्गफुट भूमि का व्यपवर्तन/ पुर्ननिर्धारण किए जाने बाबत आवेदन प्रस्तुत किया गया है। वादभूमि आवेदक के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदक द्वारा वादभूमि का 0.014 हे. अर्थात 1500 वर्गफुट भूमि का पुर्ननिर्धारण व्यवपर्तन आवासीय प्रयोजन में करने का निवेदन किया है। उक्त संबंध में किसी को दावा या आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे स्वतः या अपने अधिवक्ता के माध्यम से नियत तिथि दिनांक 08/12/2020 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत अवधि के पश्चात प्रस्तुत दावा आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 25/11/2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुहर से जारी किया गया है।

सील सक्षम प्राधिकारी एवं
अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
आरंग, जिला-रायपुर छ.ग.

कार्यालय सम्पदा अधिकारी

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-1, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email ID-eocghbzone1@gmail.com

आम सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कबीर नगर कालोनी, रायपुर में निर्मित कंचन जंगा व्यवसायिक परिसर योजना के अंतर्गत दुकानों में से दुकान क्रमांक 32 में श्री निलेश कुमार साव पिता श्री रामकुमार साव को पूर्ण मूल्य/स्ववित्तीय / एकमुश्त आधार पर आबंटित/नामांतरित किया गया है। आबंटी द्वारा दिनांक 08.11.2012 को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी उक्त भवन के विक्रय हेतु दिनांक 29.10.2020 को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर दुकान श्रीमती भारती भुवाल पति श्री जितेन्द्र सिंह भुवाल के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की है।

अतः किसी भी व्यक्ति, शासकीय/ अर्द्धशासकीय/वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त दुकान के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर ब्रिस्टल चौक छोटापारा रायपुर से प्रकाशित,
फोन व फैक्स : 0771-4035602, RNI NO.CHHHIN/2012/41806/ डाक पंजीयन क्रमांक सी.जी./आर.वाई.पी. डीएन/40/2019-2021

पैरी परियोजना अंतर्गत निर्माणाधीन योजनाओं से सिंचाई प्रतिशत 34 से बढ़कर 47 प्रतिशत होगी

जल संसाधन विभाग तेजी से परियोजनाओं को पूरा करने में जुटी

गरियाबंद। जिले के जीवनदायिनी पैरी नदी के नाम पर पैरी परियोजना जिले के किसानों की रीढ़ है। इस नदी से सैकड़ों गांव की भूमि उर्वरा हो रही है और किसान समृद्धि की ओर अग्रसर है। इस नदी में सिकासार जलाशय के नाम से वृहद परियोजना है। साथ ही कुकदा पिकअप वियर भी निर्मित है। इसके अतिरिक्त 85 लघु सिंचाई योजनाएं और 31 निर्माणाधीन योजनाओं से जिले की सिंचाई प्रतिशत में 13 प्रतिशत वृद्धि होगी अर्थात वर्तमान सिंचाई क्षमता 34 प्रतिशत से बढ़कर 47 प्रतिशत हो जायेगी।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मंशानुरूप अंचल में सिंचाई क्षमता को बढ़ाने के लिए वर्तमान में 31 निर्माणाधीन योजनाओं को पूरा करने और अन्य प्रस्तावित योजनाओं की स्वीकृति से भविष्य में 17 प्रतिशत सिंचाई में वृद्धि हो सकेगी।

जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता पी.के. आनंद ने बताया कि पैरी परियोजना, जिला गरियाबंद की एक वृहद परियोजना है, जिसके अंतर्गत एक वृहद सिकासार जलाशय निर्मित है। इस जलाशय का निर्माण वर्ष 1977 में पूर्ण हुआ है। तथा परियोजना 1999 में पूर्ण हुई है। सिकासार जलाशय की उपयोगी जल भराव क्षमता 198.88 मी. क्यूबिक मी. है। सिकासार जलाशय में जल विद्युत ताप गृह भी निर्मित है, जिसकी कुल 02 यूनिट से 2ग3ण्5 मेगावाट की विद्युत उत्पादन क्षमता है।

इस परियोजना अंतर्गत पैरी नदी पर कुकदा पिकअप वियर भी निर्मित है, जो कि गरियाबंद जिला मुख्यालय से 25 कि.मी. दूरी पर गरियाबंद-रायपुर मार्ग पर ग्राम पोंड़ के समीप स्थित है। सिकासार जलाशय से सिंचाई हेतु प्रवाहित जल पैरी नदी पर लगभग 60 कि.मी. की दूरी तय करते हुए कुकदा पिकअप वियर तक पहुँचती है, जिससे सिंचाई हेतु दांयी मुख्य नहर से जिला गरियाबंद एवं बांयी मुख्य नहर से जिला धमतरी में सिंचाई हेतु जल प्रदाय किया जाता है। पैरी परियोजना की रूपांकित एवं निर्मित सिंचाई क्षमता जिला गरियाबंद अंतर्गत 27 हजार 495 हेक्टेयर खरीफ हेतु एवं 23 हजार 472 हेक्टेयर रबी हेतु अर्थात कुल 50 हजार 967 हेक्टेयर है, जिससे 101 ग्रामों के कृषक लाभान्वित होते है। इसके अलावा धमतरी जिला अंतर्गत 12 हजार 246 हेक्टेयर खरीफ एवं 10 हजार 523 हेक्टेयर रबी, कुल 22 हजार 669 हेक्टेयर है, जिससे 49 ग्रामों के कृषक लाभान्वित होते हे। इस प्रकार इस परियोजना से कुल खरीफ 39741 हेक्टेयर एवं रबी 33 हजार 995 हेक्टेयर, कुल 73 हजार 736 हेक्टेयर, कुल रूपांकित एवं निर्मित सिंचाई क्षमता है। इस प्रकार कुल 150 ग्राम के कृषक, पैरी परियोजना से लाभान्वित हो रहे है।

श्री आनंद ने बताया कि इसके अतिरिक्त 85 लघु सिंचाई योजनाएँ निर्मित सिंचाई रूपांकित सिंचाई क्षमता 20 हजार 882 हेक्टेयर है। इस तरह वर्तमान में कुल 86 योजनाएँ से जिले की सिंचाई क्षमता खरीफ 48 हजार 377 हेक्टेयर का प्रतिशत 34 प्रतिशत है। जिले में 31 निर्माणाधीन योजनाओं से खरीफ 18 हजार 565 हेक्टेयर में सिंचाई क्षमता वृद्धि होगी जिससे की जिले की सिंचाई प्रतिशत 13 प्रतिशत की वृद्धि होगी एवं विभाग द्वारा अन्य प्रस्तावित योजनाओं से लगभग 5847 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता में वृद्धि होगी जिससे जिले की सिंचाई प्रतिशत में 4 प्रतिशत अतिरिक्त वृद्धि होगी। इस तरह निर्माणाधीन एवं प्रस्तावित योजनाएँ के निर्माण से जिले में सिंचाई प्रतिशत 34 प्रतिशत से बढ़कर 51 प्रतिशत प्रतिशत हो जायेगा।

■ न्यूज गैलरी

नाबालिग से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

खरोरा। खरोरा थाना अन्तर्गत ग्राम परसदा मे नाबालिग को अपहृत कर ले जाने व शादी का प्रलोभन देकर शारिरीक सबंध बनाने वाला आरोपी को खरोरा पुलिस ने पकड़ जेल भेजा। खरोरा थाना प्रभारी नितेश सिंह ठाकुर ने बताया कि दिनाँक 21/11/2019 को थाना खरोरा अन्तर्गत ग्राम परसदा निवासी नाबालिग बालिका के अपहृत हो जाने संबंध में अपराध क्रमांक 455/19 धारा 363 भादवी पंजिबद्व कर विवेचना में लिया गया था। दिनांक 24/10/2020 को बालिका को बरामद किया जा कर कथन लिया गया जो आरोपी धर्मेन्द्र जांगड़े पिता खोरबाहरा जांगड़े आयु 23 वर्ष निवासी गिधपुरी जिला बलौदा बाजार द्वारा शादी का झांसा दे कर भगा ले जाने व दुष्कर्म करना बताने पर मामले में धारा 366, 376(3) भादवी व पास्को एक्ट की धारा 04, 06 जोड़ने उपरांत आरोपी की तलाश की जा रही थी।पुलिस ने आज उक्त आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

आज से शुरू होंगे सब शुभ काम

खरोरा। आज से शुरू होंगे सब शुभ काम 25 नवंबर आज मनाया। देवउठनी एकादशी का पर्व अंचल में आज देवउठनी एकादशी तुलसी विवाह का पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। ज्ञात हो कि देवउठनी एवं तुलसी विवाह में गन्ने का बड़ा महत्त्व रहता है। तुलसी विवाह में तुलसी के पौधे के चारों और गन्ने का मंडप बनाया जाता है। और तुलसी जी के साथ शालिग्राम भगवान की पूजा होगी। पूजा में मिठाई ,फूल, फूल ,धूप ,दीप पर धूप अगरबत्ती के साथ पूजा अर्चना की जाती है। लोग अपने अपने घर के सामने सुंदर रंगोली लगाकर ,दीप प्रज्वलित कर तुलसी विवाह का आयोजन करते हैं। लोग तुलसी विवाह की तैयारियां शुरू कर दी है। पूरे विधि विधान से घरों के आंगन में स्थित तुलसी चौरा में देवउठनी एकादशी को गन्ने का मंडप सजा कर पूरे विधि के साथ पूजा अर्चना कर मन मनवांछित फल की कामना करते हुए एवं देवउठनी एकादशी के दिन से विवाह एवं अन्य शुभ आरंभ होता है। आसपास ग्रामीण अंचलों के लोग देवउठनी धूमधाम से मनाते हैं। देवउठनी में तुलसी विवाह के गन्ने का मंडप सजाया जाता है इन दोनों बाजारों में गन्ने की आवक शुरू हो गई है।

बूड़ेरा के पंचायत प्रतिनिधियों के द्वारा मितानिनों का किया गया सम्मान

खरोरा। ग्राम बूड़ेरा में मितानिन दिवस के अवसर पर गांव की सभी मितानिनों का सम्मान किया गया, मितानिन दिवस के कार्यक्रम के अवसर पर गांव के समस्त ग्रामीण सहित, सभी मितानिन एवं सभी पंचायत प्रतिनिधि सम्मिलित हुए, जहां गांव के सरपंच पंकज कुर्रे ने बताया कि गांव की सभी मितानिन कोरोना काल मे भी गांव के लिए लगातार सेवा का कार्य करते रही, और हमारे ग्रामीणों को कोरोना के रोकथाम के सभी निर्देशो से लोगो को अवगत कराते रहे। जिससे कि आज हमारी ग्राम की मितानिन दीदी हमारे ग्राम वासियो के लिए वरदान साबित हुई।

जिला समन्वय समिति गठित

गरियाबंद। जिले में स्वापक औषधि मनः प्रभावी पदार्थो के अनाधिकृत व्यवसायियों पर व्यापक और प्रभावी नियंत्रक हेतु जिला स्तर पर जिला समन्वय समिति का गठन किया गया है। उक्त समिति के अध्यक्ष कलेक्टर गरियाबंद होंगे तथा पुलिस अधीक्षक, वन मण्डलाधिकारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी उप संचालक समाज कल्याण, जिला आबकारी अधिकारी, महाप्रबंधक जिला व्यापर एवं उद्योग केन्द्र, सहायक खाद्य एवं औषधि नियंत्रक गरियाबंद सदस्य बनाये गये है। समिति के संयोजक खाद्य एवं औषधि प्रसाधन विभाग गरियाबंद होंगे। उक्त समिति जिले में नशीली दवाओं के दुरूपयोग एवं तस्करी के परिदृश्य में नियंत्रक हेतु कार्य करेगी।

4 दिसम्बर तक पुरूष नसबंदी पखवाड़ा

गरियबांद। जनसंख्या वृद्धि को रोकने तथा परिवार नियोजन के प्रति लोगों में जागरूकता लाने हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा 21 नवंबर से 04 दिसम्बर 2020 तक पुरूष नसबंदी पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में कलेक्टर श्री निलेशकुमार क्षीरसागर ने आज कलेक्ट्रेट परिसर से स्वास्थ्य विभाग के प्रचार-प्रसार रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एन. आर. नवरत्न, सिविल सर्जन डॉ. जी. एल. टंडन, जिला नोडल अधिकारी (परिवार कल्याण) डॉ. एम. एस. ठाकुर, जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. रीनालक्ष्मी, आरएमएनसीएच सलाहकार डॉ. योगेन्द्र सिंह रघुवंशी एवं अन्य स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे। पुरूष नसबंदी पखवाड़ा के दौरान हाट बाजार स्थल पर मोर मितान मोर संगवारी चैपाल का आयोजन, सूचना, शिक्षा एवं संचार आदि विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से पुरूष नसबंदी पखवाड़ा का प्रचार-प्रसार किया जायेगा, साथ ही जिला चिकित्सालय एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में परिवार कल्याण संबंधी परामर्श, उपचार के साथ-साथ पुरूष नसबंदी सर्जन द्वारा नसबंदी की सेवाएं प्रदाय की जा रही है।

कन्या शाला में हुआ ब्लॉक स्तरीय कला उत्सव

महासमुंद। शालेय शिक्षा विभाग छग शासन के निर्देशानुसार विकासखंड स्तरीय कला उत्सव 2020-21 का आयोजन शासकीय आशीबाई गोलछा आदर्श कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महासमुंद में किया गया। जिसमें लोकनृत्य में दिव्या राजपूत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी तरह लोक गायन में सुमती साव तथा चित्रकला में नेहा चन्द्राकर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता तोषणगिरी गोस्वामी तथा आभार प्रदर्शन नोडल अधिकारी एवं प्राचार्य जीआर सिन्हा ने किया।

पीजी कॉलेज बेमेतरा के विद्यार्थी दर-दर भटकने को मजबूर, लगा रहे यूनिवर्सिटी कॉलेज के चक्कर

बेमेतरा। ज्ञात हो पिछले दिनों हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग की परीक्षाओं का रिजल्ट आना प्रारंभ हो गया है जिसमें पीजी कॉलेज बेमेतरा के जिन जिन विद्यार्थी का रिजल्ट में ड्ढ्ढ व अप्सेन्ट लगा हुआ है उसके लिए विद्यार्थी कॉलेज में संपर्क करते हैं तो कॉलेज विभाग यूनिवर्सिटी विद्यार्थी को भेज देते हैं, वही विद्यार्थी यूनिवर्सिटी में संपर्क करते हैं तो यूनिवर्सिटी द्वारा वापस कॉलेज भेज दिया जाता हैं। जिससे विद्यार्थी में असमंजस की स्थिति बनी हुई है, कॉलेज द्वारा सही गाइडलाइन व कार्यालयीन कार्य नहीं कर पाने पर विद्यार्थी इधर उधर भटकने को मजबूर हो रहे हैं। वही पीजी कॉलेज बेमेतरा के प्राचार्य 3 बजे के बाद कॉलेज में पहुंचते हैं जिसके कारण विद्यार्थी सीधे प्राचार्य से भी नहीं मिल पाते व कॉलेज के सभी स्टाफ द्वारा स्पष्ट व सही जवाब विद्यार्थी को नहीं मिल पाता जिसके कारण विद्यार्थी कॉलेज व यूनिवर्सिटी के बीच चक्कर लगा रहे हैं। पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष व वर्तमान पार्षद नीतू कोठारी ने बताया कि विश्वविद्यालय सें स्पष्ट आदेश हैं की छात्र-छात्राओं की समस्या का निदान कॉलेज स्तर पर किया जाए फ़िर भी विद्यार्थिओं को विश्वविद्यालय भेजना समझ सें परे हैं हमारे द्वारा छात्र हित को ध्यान में रखते हुए कॉलेज प्रशासन की मनमानी की शिकायत की गई हैं।

किसान नेता योगेश तिवारी ने कोरोना को दी मात, पूर्ण स्वस्थ हो कर पहुंचे घर

बेमेतरा। किसान नेता योगेश तिवारी कोरोना को मत देकर पूर्ण स्वस्थ होकर घर पहुँचे हैं, कुछ दिन अभी होम आइसोलेशन में रहेंगे यह जानकारी देते हुए लेखमणी पान्डेय ने बताया कि पिछले 12 नवंबर से कोरोना पॉजिटिव होने के बाद से रायपुर के एम एम आई नरायणा में भर्ती थे, जहां दीपावली पर्व के दौरान पूरे 12 दिनों तक आई सी यू में गहन निगरानी में रहे। लेखमणी पाण्डेय ने बताया कि कल रात हास्पिटल से योगेश तिवारी को छुट्टी दी गई है और अभी 15 दिनों तक होम आईशोलेशन में रहेंगे।

अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद

योगेश तिवारी ने कहां कि मुझे अपने पिता को कोरोना से खोए तीन महीने भी पूरे नही हो पाए और मैं कोरोना से संक्रमित हो गया। उन्होंने कहा कि बेमेतरा विधानसभा की जनता की जो सेवा की है। वहाँ के गरीब मज़दूर किसान भाइयों के आशीर्वाद का ही परिणाम कि उन्हें उनके सेवा करने भगवान ने दुबारा जीवन दिया हैं। योगेश तिवारी ने कहा कि बहुत जल्द ही ठीक होकर फ़िर से बेमेतरा विधानसभा और छतीसगढ के सेवा में अपने आप को समर्पित कर देंगे। आप सभी का आशीर्वाद सदा मेरे साथ है। लेखमणी पान्डेय ने बताया कि योगेश तिवारी पुरे करोना काल जिस मेहनत और लगन से तन और धन लगाकर पुरे विधानसभा में सेनोटाईज करने का काम किया। प्रवासी मज़दूरों को भोजन कराया और लगातार पुरे विधानसभा में स्वास्थ्य केम्प लगाकर लोगों का फ़्री चेक अप किया दवाई मास्क और सेनोटाईजर का फ़्री वितरण किया।

धान उपार्जन केन्द्रों में हो समुचित प्रबंध

गरियाबंद। प्रदेश के साथ जिले में भी 01 दिसम्बर 2020 से समर्थन मूल्य में धान खरीदी की जायेगी। कलेक्टर निलेशकुमार क्षीरसागर ने आज अधिकारियों की बैठक में धान खरीदी एवं अन्य आवश्यक व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों को दिशा निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जिले के सभी धान उपार्जन केन्द्रों में धान खरीदी की समुचित प्रबंध अभी से सुनिश्चित कर लिया जाए। धान उपार्जन केन्द्रवार जिला स्तर के अधिकारियों को नोडल अधिकारी और विकासखण्ड स्तर के अधिकारियों को केन्द्र प्रभारी नियुक्त किया गया है। सभी नोडल अधिकारी संबंधित उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण, अवलोकन कर व्यवस्था के संबंध में प्रतिवेदन प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिले के नये धान उपार्जन केन्द्रों में भी खरीदी की व्यवस्था ठीक हो। कलेक्टर ने कहा कि जिले के अन्य राज्यों से लगे सीमावर्ती क्षेत्रों में चेक पोस्ट बनाया जायेगा। संबंधित क्षेत्र के एसडीएम अन्य राज्य से लाये जा रहे धान की जांच कर कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही अभी से करे। उन्होंने कहा कि सभी एसडीएम संबंधित क्षेत्र के समिति प्रबंधकों का बैठक आयोजित कर निर्देशों से अवगत करावे। कलेक्टर ने कहा कि धान के अवैध भण्डारण में सम्मिलित मैदानी स्तर के कर्मचारियों पर भी एफआईआर दर्ज होगी। उन्होंने कहा कि धान उपार्जन केन्द्रों में समर्थन मूल्य पर मक्के की भी खरीदी की जायेगी।

'अंजोर रथ' के माध्यम से लोगों को किया जा रहा जागरूक

बेमेतरा। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस कोविड -19 के संक्रमण के प्रसार के रोकथाम हेतु रक्षात्मक उपायो को अपनाने एवं उसका पालन कराये जाने हेतु परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए तथा कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने हेतु बेमेतरा जिले में शासन, प्रशासन के दिशा निर्देशों के परिपालन में पुलिस प्रशासन और नगर पालिका के संयुक्त टीम अपने कर्तव्य पालन में लगा हुआ हैं। इसके तहत मंगलवार दिनांक 24.11.2020 को पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल एवं अपर कलेक्टर संजय दीवान, अति.पुलिस अधीक्षक बेमेतरा विमल कुमार बैस, सीएमओ बेमेतरा होरी सिंह ठाकुर के नेतृत्व में थाना प्रभारी बेमेतरा निरीक्षक राजेश मिश्रा, रक्षित निरीक्षक/सुबेदार संजय सुर्यवंशी, कंट्रोल रूम प्रभारी सउनि संतराम मंडावी, यातायात बेमेतरा सउनि संतोष ध्रुर्वे, राजस्व निरीक्षक रवि श्रीवास्तव, स्वच्छता निरीक्षक श्रीनिवास द्विवेदी, अशोक ठाकुर व अन्य स्टाफ के साथ मिलकर नगर के हृदय स्थल प्रताप चौक एसडीओपी बेमेतरा कार्यालय के सामने रोड में आने जाने वाले लोगो को कोरोना वायरस कोविड-19 संक्रमण के बचाव एवं यातायात नियमों के संबंध में बैनर, पोस्टर के माध्यम से जागरूक किया गया। इस दौरान मास्क नहीं पहनने वाले 41 लोगो से 200-200 रूपये का कुल 8,200/- रूपये समझौता शुल्क लिया गया। साथ ही उन्हे मास्क भी दिया गया। वहीं वैश्विक महामारी कोरोना वायरस कोविड -19 के संक्रमण के रोकथाम एवं यातायात नियमों के लिए पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल एवं अपर कलेक्टर संजय दीवान, अति.पुलिस अधीक्षक विमल कुमार बैस, सीएमओ बेमेतरा होरी सिंह ठाकुर द्वारा कोरोना वायरस के फैलते संक्रमण से बचाव हेतु बेमेतरा शहर के मुख्य चौक-चौराहों, सार्वजनिक स्थानों में आम नागरिकों को शासन के दिशा-निर्देशों को पालन करने व नोवल कोरोना वायरस से बचने के लिए सतर्कता बरतने की अपील सभी आमजन से की गई।

पालिका अध्यक्ष नटवर ताम्रकार द्वारा किया गया मितानिनों का एवं कोरोना वारियर्स का सम्मान

नंदिनी अहिवारा। नगर पालिका परिषद अहिवारा में मितानिन सम्मान समारोह रखा गया था। जिसमें मितानिन के साथ-साथ करोना वारियर्स जो पूरे कोरोना काल में अपनी शासकीय सेवा दे रहे थे। जिसमें आंगनबाड़ी के कार्यकर्ता बहने, पुलिस विभाग के सिपाही, स्वास्थ्य विभाग के एएनएम नर्सो का तथा नगर पालिका के कर्मचारी का सम्मान नगर पालिका अध्यक्ष नटवर ताम्रकार, पालिका उपाध्यक्ष अशोक बाफना के द्वारा किया गया। जिसमे मुख्यरूप से पालिका के सभी पार्षदगण अनुज साहू, स्टालिन समवेल, शिवनारायण अग्रवाल, भगवान सिंह, अरुण बंजारे, हेमंत साहू एल्डरमैन एवं नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

दो करोड़ 10 लाख रूपये विकास कार्यों का भूमिपूजन एंव लोकार्पण

नंदिनी अहिवारा। विकास की नई दिशा की ओर नगर पालिका परिषद् अहिवारा क्षेत्र में दो करोड़ 10 लाख रूपये विकास कार्यों का भूमिपूजन एंव लोकार्पण का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यअतिथि गुरू रूद्र कुमार (मंत्री छ.ग. शासन), अध्यक्षता नटवर लाल ताम्रकार (अध्यक्ष नगर पालिका परिषद् अहिवारा), विशेष अतिथि के रूप में अशोक कुमार बाफना रहें। भूमि पूजन एवं लोकार्पण का कार्य संपन्न हुआ। मंत्री गुरु रुद्र कुमार के समक्ष अहिवारा नगर पालिका नटवर ताम्रकार के द्वारा विकास के लिए मांगे रखी गई। जिसमें प्रमुख मांग अहिवारा को तहसील दर्जा मिले पावर हाउस अहिवारा मार्ग कर जल्द से जल्द निर्माण।

जहा 2 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की सौगात दी। जिसमें वार्ड क्रमांक-4 में 49.44 लाख के लागत की आश्रय योजना अंतर्गत रैन बसेरा, वार्ड क्रमांक-12 में 49.22 लाख रुपए की लागत वाली राज्य प्रवर्तित योजना अंतर्गत निर्मित मंगल भवन का लोकार्पण किया। वार्ड क्रमांक-15 में 25.03 लाख लागत से राज्य प्रवर्तित योजना अंतर्गत पौनी पसारी निर्माण कार्य, वार्ड क्रमांक 8 में 23.69 लाख की लागत से गोधन न्याय योजना अंतर्गत गौठान निर्माण कार्य, वार्ड क्रमांक-4 में 34.07 लाख की लागत से राज्य प्रवर्तित योजना अंतर्गत पुष्प वाटिका का निर्माण कार्य तथा जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित दुर्ग शाखा भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी राजेश तिवारी, लक्ष्मण क्षतरी, ईश्वर शर्मा, भूपेंद्र सिंह, चंचल बाफना, सतीश साहू, पवन जैन, कैलाश नाहटा, स्टालिन समवेल, अनिल श्रीवास्तव, अमनदीप सिंह, दुर्गा गजभिए, बलजीत सिंह, प्रदीप सिंह, अनुज साहू, शिवनारायण अग्रवाल, भगवान सिंह, अरुण बंजारे, रामकृष्ण, हेमंत साहू, दुलारी साहू, पुर्णिमा दास, शिव कुमारी कुशवाहा, अभिषेक गिरी, शिव साहू, राजू यादव, नितेश देवांगन, जमुना बारले आदि उपस्थित रहे।

निर्देश | **सभी विभाग समन्वय से संकटग्रस्त बच्चों को मुख्य धारा में लाने पहल करें-कलेक्टर**

जिला बाल संरक्षण समिति एवं टास्क फोर्स समिति की त्रैमासिक बैठक आयोजित

गरियाबंद। कलेक्टर निलेशकुमार क्षीरसागर की अध्यक्षता में आज दोपहर कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला इकाई बाल संरक्षण समिति एवं टास्क फोर्स समिति की त्रैमासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में बिन्दुवार एजेण्डों पर चर्चा करते हुए कलेक्टर श्री क्षीरसागर ने कहा कि किसी कारण से मुख्यमार्ग से भटके हुए बच्चों को मानवीय आधार पर मुख्य समाज से जोड़ने के लिए समिति एवं अन्य विभाग भी समन्वय से कार्य करें। यह एक सामाजिक कुरिति है, जिसे हम सब को मिलकर मिटाना होगा।

कलेक्टर ने समीक्षा के दौरान कहा कि किशोर न्याय बोर्ड में प्रस्तुत प्रकरणों का निराकरण समय-सीमा में सुनिश्चित किया जाये। बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग अधिकारी श्रीमती जगरानी एक्का एवं संबंधित जिला अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में बताया गया कि किशोर न्याय बोर्ड में वर्तमान में 19 प्रकरण लंबित है। इसी तरह बाल कल्याण समिति में भी 52 प्रकरण लंबित है। कलेक्टर ने समय-सीमा में इन प्रकरणो का निराकरण करने के निर्देश दिये है। संकटग्रस्त बच्चो की जानकारी सर्वेक्षण के माध्यम से जुटाई गई है। जिले में 6 हजार 882 बच्चों का सर्वेक्षण किया गया है।

बालश्रम में लिप्त पाये गए बच्चों के कौशल विकास के लिए कार्ययोजना बनाई जाये ताकि उनके कौशल के मुताबिक उन्हें प्रशिक्षण मिल सके। बैठक में निर्देशित किया गया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में बालकों का अवैध प्रवास के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर समिति बनाकर जानकारी ली जाये। दत्तक ग्रहण से संबंधित कानून के प्रचार-प्रसार व्यापक रूप से किया जाये ताकि कानूनी रूप से ही बच्चों का स्वीकार किया जाये। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि चाईल्ड हेल्प लाईन टोल फ्री न. 1098 का प्रत्येक स्कूलों, छात्रावास, चैक-चैराहों एवं स्कूल एवं यात्री बसों में प्रचार-प्रसार भी किया जाये। बैठक में जानकारी दी गई कि इस सत्र में बाल विवाह रूकवाने अभियान चलाया गया है। बालगृह निर्माण के लिए प्रस्ताव पुनःप्रेषित करने भी कहा गया है। कलेक्टर इस संबंध में भी प्रत्येक माह जानकारी एकत्रकर प्रस्तुत करने के निर्देश दिये है।

कलेक्टर द्वारा किसी जांच या न्यायिक प्रक्रिया के बारे में मीडिया या संचार के किसी भी माध्यम में ऐसे नाम, पते या किसी अन्य विशिष्ठ पहचान को प्रकट करने, जिससे उसकी पहचान हो सकती है, उसे प्रकाशित नहीं करने के निर्देश दिये गये है। इस सबंध में किशोर न्याय अधिनियम के धारा 74 के तहत कार्यवाही की जायेगी।

मुख्यमंत्री निवास घेरने जा रहे बस चालक व परिचालकों की पुलिस के साथ झूमाझटकी

नव-प्रदेश संवादाता

रायपुर। अपनी 11 सूत्रीय मांगों को लेकर निजी प्रदेश के निजी बस चालक-परिचालक व अन्य कर्मियों ने छत्तीसगढ़ बस कर्मचारी संघ के बैनर पर धरना-प्रदर्शन करते हुए जमकर नारेबाजी की और उसके बाद सीएम हाउस का घेराव करने के लिये निकले जिन्हें बूढ़ापारा धरना स्थल पर ही पुलिस द्वारा रोक दिया गया। इस दौरान उनकी पुलिस के साथ झूमा-झटकी भी हुई।

बस चालक-परिचालक व अन्य कर्मियों ने नियमित ड्यूटी,नियमित वेतन बरोजगारी भत्ता दिए जाने की मांग तथा बस मालिकों के द्वारा की गई 30 करोड़ की झूठी घोषणा के विरोध में छत्तीसगढ़ बस कर्मचारी संघ के बैनर पर रायपुर समेत राज्य के अलग-अलग जगहों से निजी बस चालक-परिचालक व अन्य कर्मी आज सुबह यहां बूढ़ापारा में एकजुट हुए। इसके बाद नारेबाजी करते हुए धरने पर बैठ गए। उनका कहना है कि कोरोना के चलते उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ा। लॉकडाउन में बस बंद होने से वे सभी करीब छह महीने तक बेरोजगार रहे। बसें चालू होने के बाद भी उनको वेतन देने में आनाकानी की जा रही है जिसके चलते उनके सामने परिवार के लालन-पालन की समस्या खड़ी हो गई। धरना प्रदर्शन के बाद बस चालक व परिचालक मुख्यमंत्री निवास को घेरने के लिये निकले लेकिन उन्हें धरना स्थल से महज सौ कदम की दूरी पर ही पुलिस ने रोक लिया और प्रदर्शनकारियों को पकड़ लिया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारयों के बीच तकरार और झूमाझटकी भी हुई।

डेम के टूटने से चार गांव के 1200 किसान सिंचाई सुविधा से वंचित

नव प्रदेश संवाददाता

कोरबा। पोड़ी उपरोड़ा ब्लाक के ग्राम रावा के पास केहरानाला में बना स्टाप डैम पिछले चार साल से ध्वस्त है। ओवरफ्लो टूटने से चार गांव के 1200 किसान सिंचाई सुविधा से वंचित हो गए है। मरम्मत कराए जाने पर क्षेत्र के 3000 एकड़ भूमि को सिंचित किया जा सकता है। स्थानीय ग्रामीणों ने इस संबंध में प्रशासन को कई बार अवगत कराया, लेकिन कार्य स्वीकृत नहीं होने पर नाला का पानी व्यर्थ बह रहा है।

जिले के वनांचल क्षेत्रों में ऐसे कई नाले हैं, जिनका पानी बेकार बह रहा है। इन नालों को सिंचाई सुविधा के लिए विकसित करने का प्रयास तो किया गया ,लेकिन गुणवत्तापूर्ण निर्माण नहीं होने के कारण किसानों को सिंचाई सुविधा का लाभ नहीं मिल रहा। ऐसी ही दशा केहरानाला में निर्मित स्टाप डैम की भी है। पोड़ी उपरोड़ा जिले के सबसे पिछड़े ब्लाक में आता है। खेती की असीम संभावना होने के बावजूद सिंचाई सुविधा के अभाव में किसानों को मानसून आधारित खेती करनी पड़ रही है। ग्राम रावा के निकट बहने वाला केहरानाला में वर्षों पहले स्टाप डैम बनाया गया था। चार साल पहले यह बरसाती जल प्रवाह नहीं झेल पाने के कारण टूट गया। केहरानाला जिले के बहने वाले प्राकृतिक नालों में सबसे बड़ा है। स्टाप डैम के निर्माण के लिए ग्रामीणों ने स्वयं बनाने की भी पहल की पर उन्हे सफलता नहीं मिली। स्टाप डैम से रावा के अलावा खोडरी, कांसामार, बनवार, बरभाठा के किसानों को तीन हजार एकड़ में सिंचाई सुविधा का लाभ मिल रहा था। अब डैम क्षतिग्रस्त हो जाने से किसान सुविधा से वंचित हो गए हैं। डैम के मरम्त होने से न केवल किसानों को सिंचाई बल्कि गर्मी के समय निस्तारी के लिए भी पानी मिलेगा। वनक्षेत्र होने से वन्य प्राणियों के लिए भी सुविधा होगी। बांगो जैसी वृहत परियोजना होने के बाद भी पोड़ी उपरोड़ा अन्य ब्लाक की अपेक्षा सिंचाई रकबा में कम है। केहरानाला में डेम का निर्माण किए जाने से क्षेत्र के सिंचित रकबा में बढ़ोतरी होगी।

बन सकता है सबसे अधिक रकबा सिंचाई का डैम

जिले में मायनर के 42 स्टाप डैम हैं। केहरानाला में बना स्टापडेम जिले का सबसे अधिक सिंचित रकबा वाला डैम था। ग्रामीणों के कहने पर जल संसाधन ने इसका अवलोकन तो किया है, लेकिन राशि स्वीकृति के अभाव में निर्माण कार्य मूर्त रूप नहीं ले पाया। विभागीय अधिकारी की माने तो स्टाप डैम के बजाय नाले को डायवर्सन बनाना उचित होगा। डैम से लेकर नहर निर्माण में लगभग सात करोड़ का खर्च आ सकता है।

मिलेगा दोहरा फसल का लाभ

डैम की मरम्मत करा दी जाए तो किसानों को दोहरा फसल का लाभ मिलेगा। वर्तमान में किसान केवल मानसूनी फसल ही ले रहे हैं। स्थानीय जमीन उपजाऊ होने के कारण इसमें धान के अलावा दलहन और तिलहन की खेती की असीम संभावनाएं हैं। डैम टूट जाने के बाद सब्जी की खेती भी ठप हो गई है। प्रशासनिक स्वीकृति के अभाव में किसानों की आस अब निराशा में बदल चुकी है। डैम बनने से किसानों के लिए कृषि संबंधित स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

केहरानाला का अवलोकन किया गया है। नाले को डायवर्सन का रूप देकर सिंचाई सुविधा बढ़ाई जा सकती है। डैम का मुहाना क्षतिग्रस्त हो गया है। समस्या से प्रशासन को अवगत कराया गया है। राशि स्वीकृत होने पर निर्माण किया जाएगा।

सीएल धाकड़ा, ईई, जल संसाधन

जान हथेली में कंधे में दवाई रख मुश्किलों से पहुंचती उमा दुर्गा के जस्बे को सलाम

बुरगुम गांव तक जेई (जापानी बुखार) टीकाकरण अभियान

दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा जिले में नक्सलग्रस्त इलाको में सरकारी सुविधाओं को पहुँचाना किसी बड़ी चिनौति से कम नही, ऐसे में महिला कर्मचारियों के लिए इस इलाके काम करना और भी दूभर तब हो जाता है। जब सड़क, पुल, सब पर नक्सली कब्जा जमाकर इलाके को देश दुनिया से ही अलग कर देते हैं।

ऐसे में एएनएम स्वास्थ्यकर्मी उमा दुर्गा जिस तरह से बुरगुम नदी में मलगेर नाले को मुश्किलो से दवाइयों के साथ पार कर रही है वह उनके जस्बे और हौसला अफज़ाई के लिये पर्याप्त है।

लम्बे समय से बुरगुम गांव का इलाका नक्सलियों के कब्जे में है आसपास की सड़क नक्सलियों ने दर्जनों जगह काट दी है . ऐसे में एस इलाके में स्वास्थ्य सेवाओं को पहचाने में महिला स्वास्थ्यकर्मी उमा दुर्गा ग्रामीण की मदद से अकेले ही मुश्किलों से लड़कर गाव में जैपनीज इंसेफेलाईटीस (दिमागी बुखार) के टिकाकरण के लिए अपने कन्धो में दवाई की वैक्सीन लेकर जंगलो के रास्ते नदी नालो के तमाम खतरों को पार करते हुए अपनी जिम्मेदारी निभाने जाती दिख रही है. इस तरह की दिक्कतें माड़ेन्दा,बुरगुम और अरनपुर में काम करने वाले स्वास्थ्यकर्मियों को उठाना पड़ता है। ऐसे अंदुरुनी इलाको में सबकुछ कठिन है।

दरअसल उमा दुर्गा एएनएम के पद पर बुरगुम में ही पदस्थ है जिन्हें 416 टीका 01 वर्ष से 015 वर्ष के बच्चो को एस गाव में करने की जिम्मेदारी मिली है. मगर रास्ता खराब और नदी नालो की वजह से यह काम किसी चिनौती से कम नहीं है.उनकी मदद के लिए ग्रामीण जरुर बुरगुम गाव से पहुचे है मगर ऐसे कर्मचारियों के साथ जिला से अन्य स्वास्थ्यकर्मियों की टीम भेजनी चाहिए.

पोटाली गांव में दंतेवाड़ा पुलिस ने बीते वर्ष एक डीआरजी जवानों का कैम्प खोलकर अरनपुर से पोटाली सड़क सुरक्षा के बीच मे जरूर बनवाई थी। मगर नक्सलियों ने कैम्प के उस पार बुरगुम गांव पहुँचने तक सड़क काट दी। जिसके चलते ही लोगो को दूसरे जंगलो के रास्ते से पहुँचना पड़ता है.

पत्नी ने लगाई फांसी, आरोपी पति गिरफ्तार

खरोरा। खरोरा थाना अन्तर्गत ग्राम कोरासी मे पति के द्वारा पत्नी के चरित्र सदेह से परेशान होकर फासी लगा कर अपनी जान दे दी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार थाना खरोरा अन्तर्गत ग्राम कोरासी निवासी नवविवाहिता आशाबाई वर्मा द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया गया था। मर्ग जांच के दौरान पता चला कि मृतिका का पति चरित्र पर संदेह कर प्रताड़ित करता था जिससे दुखी हो कर पत्नी द्वारा आत्मघाती कदम उठाया गया था। घटना संबंध में अपराध क्रमांक 284/2020 धारा 306 भादवी दिनांक 02/09/2020 को कायम किया गया था। मामले में आरोपी नीरज वर्मा पित अरुण वर्मा आयु 22 वर्ष निवासी कोरासी को आज गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

92 की जांच रिपोर्ट कोरोना पॉजीटिव

महासमुंद। महासमुंद जिले में मंगलवार को 1094 कोरोना संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की गई। जिसमें 92 लोगों की कोरोना जाँच रिपोर्ट पॉजीटिव आयी है। आज की जांच आरटीपीसीआर से 329, ट्रू नाट से 52 और एंटीजन से 713 टेस्ट किए गए। सर्वाधिक बसना विकासखंड में 25 पॉज़िटिव आए है। महासमुंद ब्लॉक से 24, सरायपाली से 23 और बागबाहरा विकासखंड मैं 11 पॉज़ीटिव मिले हैं। वही पिथौरा विकासखण्ड से 9 कोरोना पॉज़िटिव आयें है। ज़िला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा आज जारी मेडिकल बुलेटिन में बताया गया कि जिले में अब तक कुल 6040 कोरोना पॉज़िटिव आए जिनमें से 5051 स्वस्थ्य होकर अपने घर सुरक्षित पहुँचें। मंगलवार को 81 क़ोरोना पॉज़ीटिव पूरी तरह ठीक हो कर अपने घर गए।

नदी- नालों में धड़ल्ले से चल रहा अवैध रेत खनन और परिवहन

नव प्रदेश संवाददाता

कोरबा । वनांचल क्षेत्र के नदी- नालों से अवैध रेत उत्खनन धड़ल्ले से किया जा रहा है। बिना अनुमति गौण खनिज का उत्खनन व परिवहन कर शासन- प्रशासन को राजस्व का नुकसान पहुंचाया जा रहा है। दूसरी ओर आवश्यकता के बावजूद उपलब्धता कम होने से विभिन्ना निर्माण कार्यों के लिए लोग भी परेशान होने विवश है, जिसका अनुचित लाभ उठाते हुए अधिक मूल्य पर रेत खपाया जा रहा है।

पोड़ी-उपरोड़ा के पसान क्षेत्र में खनिज विभाग की उदासीनता आम लोगों की मुश्किलें बढ़ाने के साथ विभिन्ना निर्माण कार्यों की गति को भी अवरुद्ध बना रही है। क्षेत्र के लोग लगातार रेत की उचित दर निर्धारित करने की मांग कर रहे पर इस दिशा में प्रशासन की ओर से अब तक कोई ऐसा निर्णय नहीं लिया गया है, जिससे उनकी परेशानियों का हल हो सके। एक ओर जहां देश में कोरोना वायरस को लेकर भय का माहौल बना हुआ है, वहीं दूसरी ओर अवैध रेत उत्खनन करने वाले कारोबारियों के भय मुक्त हो गए हैं। नजदीक में रेत की अधिकृत आपूर्ति की सुविधा नहीं होने का अनुचित लाभ उठाया जा रहा है। दूर के अधिकृत रेतघाट से मंगाने पर कहीं ज्यादा कीमत देनी होती है, जिससे बचने लोग थोडा अधिक दाम देकर इन अवैध घाटों से उत्खनन-परिवहन कर रहे अनाधिकृत आपूर्तिकर्ताओं से रेत खरीद लेते हैं।

अनियंत्रत दोहन से प्रकृति को नुकसान

इससे शासन-प्रशासन को राजस्व नुकसान के साथ ही घाटों को भी क्षति पहुंच रही है। अनियंत्रित दोहन किए जाने से संबंधित नदी-नालों की दशा खराब हो रही है और प्रकृति को भी नुकसान पहुंच रहा है। नियमों की अनदेखी किए जाने से लगातार अनाधिकृत स्थलों से उत्खनन कर जहां-तहां गड्ढे भी बन रहे, जिनमें बारिश का मौसम आने पर पानी भरने पर दुर्घटना की संभावना भी बन सकती है, जो आने-जाने वालों और वन्य प्राणियों के लिए भी आफत बन सकते हैं।

इन क्षेत्रों में सक्रिय हैं अनाधिकृत लोग

पसान के कुम्हारीशानी में सुखाड़ नदी से पिपरिया सीपतपारा के नाले, कर्री साड़ामार बम्हनी नदी, खोडरी धोबनी नाला के बीच रेत घाट से खुलेआम अवैध रेत उत्खनन कर परिवहन किया जा रहा है। रायल्टी की अधिक राशि का भय दिखाकर अवैध रेत ऊंचे दरों पर मकान निर्माण करने वालों को विक्रय किया जा रहा। रेत के इस अवैध कारोबार में बडी संख्या में अनाधिकृत लोग बेधड़क लगे हुए हैं और खनिज विभाग के जिम्मेदार अधिकारी भी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

सामुदायिक स्वस्थ्या केंद्र बद से बदतर

खरोरा अस्पताल में डॉक्टर ही नहीं रहते ,चारों ओर फैली गंदगी

खरोरा। सामुदायिक स्वस्थ्या केंद्र जो कि हमेशा से विवादों से घिरा रहा जहां प्रभारी बदले लेकिन अस्पताल की नही बदली किस्मत । अस्पताल के चारो ओर जहाँ घनी आबादी व गरीब तबके के लोग रहते हैवहाँ अस्पताल का खून से सना कपड़ा व , एक्सपायरी दवाइया व अन्य लेब के वेस्ट मटेरियल पड़े रहते है जिससे संक्रमण फैलने का कहता हमेशा बना रहता है

अस्पताल में ज कुल 4 एम बी बी एस डॉक्टर है , उसके अलावा 1 आर एम ए , 1 आयुष मेडिकल ऑफिसर व 1 डेंटिस्ट की पोस्टिंग है । जबकि 4 एम बी बी एस डॉक्टर में से 1 डॉक्टर की रायपुर में लगी है। उसके अलावा डेंटिस्ट की भी ड्यूटी रायपुर में लगी है। उसके बाद भी बाकी बचे डॉक्टर अपनी डयूटी नही कर रहे लोगो को चिकित्सक के अभाव में प्राइवेट हॉस्पिटल का रख अपनाना पड़ रहा है चिकित्सक न समय से पहुचते है न समय से जाते है। 4.30 बजे के बाद अस्पताल में कोई भी चिकित्सक नही रहते। वही थाना प्रभारी नितेश सिंह ठाकुर ने भी बताया कि एम एन सी व पोस्टमार्टम के लिए जब खरोरा समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सक नही रहते व मजबूरन तिल्दा लजे जाना पड़ता है ।

अस्पताल की स्थिति जल्द सुधरेंगे : विधायक अनीता

वही विधायक अनिता योगेंद्र शर्मा ने आश्वस्त किया कि जल्द अस्पताल की स्थिति में सुधार आएगा जिसके लिए वह स्वास्था विभाग से संपर्क में है। वहीं स्वास्थ्य मंत्री टी एस सिंहदेव ने आश्वासन दिया है कि एक हफ्ते के अंदर अस्पताल के हालात बदलेंगे। किसी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाएगी।